हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

टीम हरिभूमि ने अलग-अलग मेडिकल स्टोर्स में जाकर कफ सिरप मांगा कहीं बिना पर्ची इंकार कहीं निकालकर थमा दिया

रायपुर-ललित राठोड़/ जगदलपुर- महेंद्र विश्वकर्मा/धमतरी-उमेश सिंह बशिष्ट/नवापारा-श्याम किशोर शर्मा/बलोदाबाजार-धनेश्वर प्रसाद/राजनांदगांव-हफीज खान/भिलाई-सुवांकर राय/ राजिम और कोपरा से विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि लाइव

कानून और नियमों का पालन किस तरह किया जाता है, इसकी पड़ताल हरिभूमि ने की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बिना डॉक्टर की पर्ची (प्रिसक्रिप्शन) के कफ सिरप बेचने पर कड़ा प्रतिबंध लगाया गया है। टीम हरिभूमि ने छत्तीसगढ़ के करीब दर्जनभर संवेदनशील और प्रमुख इलाकों में रियलिटी चेक किया। परिणाम चौंकाने वाला था। खुलासा हुआ है कि कई जगहों पर बिना किसी ▶▶|शेष पेज 8 पर

बिना पर्ची सिरप बेचना अब अपराध

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नए गजट नोटिफिकेशन के बाद अब बिना डॉक्टर की पर्ची के कफ सिरप बेचना पूरी तरह गैरकानूनी हो गया है। सरकार ने ड्रग्स रूल्स 1945 के 'शेड्यूल के ' में बड़ा संशोधन करते हुए इसमें से 'सिरप' शब्द को हमेशा के लिए हटा दिया है। पहले इस शेड्यूल के तहत मेडिकल स्टोर्स को सिरप की बिक्री में जो कानूनी ▶▶|शेष पेज 8 पर

क्योंकि हम कानून मानते ही नहीं... हरिभूमि' के रियलिटी चेक में खुल गई पोल, बिना पर्ची के दर्जनों जगह मिली कफ सिरप

नवापारा | जगदलपुर | राजिम | धमतरी | सुपेला भिलाई | बलौदाबाजार | राजनांदगांव | कोपरा

रायपुर

रायपुर के कई कई मेडिकल स्टोर पर बिना पर्ची मिली दवा

रायपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सर्दी, खांसी तथा प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सिरप बिना डॉक्टर की पर्ची के मेडिकल स्टोर से बेचे जा रहे हैं। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि कई मेडिकल स्टोर पर दवा बेचने वाले लोगों को भी सरकार के इस निर्देश की जानकारी नहीं है।

केस-1, कमल विहार सेक्टर-5

- **हरिभूमि**: बच्चे के लिए सिरप चाहिए, मिल जाएगा?
- **कैमिस्ट**: कितने साल का बच्चा है?
- **हरिभूमि**: 12 साल का है। कोई अच्छा सिरप दे दीजिए।
- **कैमिस्ट**: यह कॉफक्लिअर ऑरेंज सिरप है, दिन में दो बार देना है।
- **हरिभूमि**: मैं बिना डॉक्टर की पर्ची और सलाह के ले रहा हूं, कोई दिक्कत तो नहीं है?
- **कैमिस्ट**: कोई दिक्कत नहीं है।

केस-2, सेजबहार

- **हरिभूमि**: बुखार न आए इसके लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए सिरप चाहिए।
- **कैमिस्ट**: किसके लिए है? उम्र कितनी है?
- **हरिभूमि**: 24 साल के लिए है। डॉक्टर की पर्ची नहीं है, कोई अच्छा वाला दे दीजिए।
- **कैमिस्ट**: यह 180 का इम्यूनिटी बूस्टर सिरप है। इसे सुबह दिन में एक बार लेना है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹107997/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹131900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹143982/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels Pandri, Raipur
*Conditions apply

21 दिन की भूख हड़ताल, साढ़े नौ किलो घट गया वजन

कई विपक्षी नेता और फिल्म अभिनेताओं ने की मुलाकात

चादर लेकर पहुंचे पुलिसकर्मी और वांगचुक को ले गए अस्पताल

सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले गई। पुलिस सफेद चादरें लेकर जंतर-मंतर पहुंची और वांगचुक को ले जाते हुए चादरों से घेर लिया। 21 दिनों में उनका वजन 9.5 किलो घटा। इस दौरान कई विपक्षी नेता और फिल्म एक्टर उनसे मिलने पहुंचे। इस बीच, वांगचुक की पत्नी ने अस्पताल की जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार को उनके अनशन के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि चिकित्सकीय सलाह और उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप वांगचुक को अस्पताल ले जाया गया है। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप सोनम वांगचुक को अस्पताल में ▶▶|शेष पेज 8 पर

वांगचुक को डिहाइड्रेशन

अस्पताल प्रशासन ने बुलेटिन जारी करके बताया कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि वांगचुक के शरीर पोटैशियम का लेवल घट गया है। यूरिन कीटोन बढ़कर 3 प्लस हो गया। हालांकि, वांगचुक के डॉक्टर नितिन दीघे ने कहा- अस्पताल में गृह मंत्रालय का अधिकारी मौजूद होने के कारण हमारी टीम को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया।

हाईकोर्ट कर रहा स्थिति की निगरानी

चिकित्सकों ने शुक्रवार को बताया था कि भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से वांगचुक का वजन लगभग 9.5 किलोग्राम घट गया है, जबकि उनके रक्तचाप और रक्त शर्करा के स्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। दिल्ली हाईकोर्ट वांगचुक की चिकित्सकीय स्थिति की निगरानी कर रहा है। उसने निर्देश दिया है कि उनके स्वास्थ्य की नियमित जांच की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उचित चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराया जाए।

किसने क्या कहा

- भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति के.जी. बालकृष्णन ने कहा- उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, उनकी जान बचनी चाहिए।
- कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाना गलत है, खासतौर पर तब जब वे अहिंसक भूख हड़ताल पर थे। मोदी सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं।
- अन्ना हजारे ने कहा, वांगचुक 20 दिन तक अनशन पर रहे हैं, इसलिए सरकार को उनके सब्र का इम्तिहान नहीं लेना चाहिए। सरकार उनकी मांगें माने या न माने, लेकिन बातचीत जरूर करे।

जय के निवास पहुंचे वीरू

भिलाई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास स्थान पर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव पहुंचे। उन्होंने श्री बघेल के बेटे चैतन्य (बिट्टू) को जन्मदिन की बधाई दी। पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा, आज बेटे चैतन्य (बिट्टू) का जन्मदिन है। भिलाई निवास पर बधाई देने टी. एस सिंहदेव और कांग्रेस के साथियों का आगमन हुआ। एक अग्रज की तरह बाबा साहब का स्नेह सदैव परिवार को मिलता रहा है। हम सबको अच्छा लगा। सभी साथियों का आभार।

खबर संक्षेप

मानसून सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील करेगी। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा और उन्हें पारित किए जाने की संभावना है।

7.5 लाख का एजुकेशन लोन मिलेगा बिना गारंटी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों के लिए एजुकेशन लोन की सुविधा को और मजबूत करने का फैसला किया है। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री के. विश्वनाथन ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण कोई भी छात्र उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। राज्य सरकार शिक्षा ऋण की उपलब्धता का दायरा लगातार बढ़ा रही है । मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व में सरकार ने ऐसा व्यापक ढांचा तैयार किया है जिसके तहत छात्रों को 7.5 लाख रुपये तक बिना किसी कॉलेट्रल या गारंटी के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि केवल आर्थिक तंगी की वजह से किसी भी छात्र की उच्च शिक्षा प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

पूर्व पीएम देवगौड़ा की पत्नी का निधन

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का शनिवार को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में निधन हो गया। शनिवार शाम करीब 4 बजे उन्हें अचानक गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया। चेन्नम्मा को सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत के बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी हालत में पहले सुधार हो रहा था और वह रिकवरी की ओर बढ़ रही थीं। हालांकि, अचानक आए कार्डियक अरेस्ट के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका।

अब तक 20 लाख रुपए के कर्ज की बात सामने आई, परिजनों ने कहा-कभी बताया नहीं

चार दिन पहले ही राशन जमा किया, मिठाई में जहर मिलाकर खत्म कर दिया परिवार

पांच भाईयों में सबसे बड़ा था सैयद, परिवार से थी दूरी वसूली के दबाव की भी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर में शुक्रवार की रात बैटरी कारोबारी सय्यद शाहिद उर्फ सज्जू ने पत्नी और तीन बच्चों के साथ आत्महत्या की थी। पांचों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक पर करीब 20 लाख रुपए का कर्ज था। इसमें से कुछ बैंक और कुछ पैसे व्यक्तियों से लिए गए। हालांकि एक चौंकाने वाली बात यह है कि चार दिन पहले मृतक ने परिवार के लिए महीनेभर का राशन जमा किया था। अचानक ऐसे क्या हालात बने कि पूरे परिवार ▶▶|शेष पेज 8 पर

खड़ी वाली बड़ी बेटी शाइना परवीन, बीच में बैठी वाली उसकी मां राबिया बेगम और मां की गोदी में बैठी छोटी बेटी सबा परवीन

इरशाद अली

सय्यद शाहिद

रसगुल्ला में जहर ...?

घटना स्थल के पास से पुलिस ने सभी खाने-पीने का सामान जब्त कर जांच करने फोरेंसिंक लैब भेज दी है। अभी तक माना जा रहा है कि सैयद ने पहले पूरे परिवार को रसगुल्ले में जहर मिलाकर दिया। उनकी मौत के बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के दूसरे दिन जांच करने के लिए पुलिस तथा फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौके पर दोबारा पहुंची।

एक माह का राशन जमा किया था

पुलिस को जानकारी मिली है कि घटना के चार दिन पूर्व मृतक सैयद शाहिद ने घर के लिए एक माह का राशन जमा किया था। आनन-फानन में पूरे परिवार के खुदकुशी करने की घटना को लेकर पुलिस हैरान है। पुलिस मृतकों की मोबाइल जब्त कर जांच कर रही है। घटना के 15 दिन तक मृतकों का किन-किन लोगों के साथ क्या बात हुई है। पुलिस इस बारे में जानकारी जुटा रही है। मकान मालिक ने पुलिस को बताया है कि मृतक उन्हें हर माह समय पर किराया दे देता था। मकान मालिक भी घटना को लेकर हैरान है। सैयद शाहिद अली के बेटे इरशाद के दोस्त मोहम्मद शाहिद के अनुसार एक दिन पूर्व की रात वो इरशाद के साथ था। मृतक युवक के दोस्त के अनुसार इरशाद को उसके पापा ने बाहर से खाने के लिए कुछ लाने की बात कह घर जल्दी आने के लिए कहा। इस पर शाहिद अपने दोस्त को छोड़ने उनके घर तक गया।

चीन में भूस्खलन से आठ लोगों की मौत 34 अन्य लापता

चोंगकिंग (चीन)। दक्षिण-पश्चिमी चीन के चोंगकिंग शहर में हुए भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 अन्य लापता हैं। बचाव दल शनिवार को जीवित बचे लोगों की तलाश में अभियान चला रहा है। सरकारी प्रसारणकर्ता 'सीसीटीवी' के अनुसार, यह भूस्खलन शुक्रवार सुबह चोंगकिंग नगर पालिका के बाहरी क्षेत्र स्थित पेंगशुई काउंटी में हुआ, जब बड़ी मात्रा में चट्टानें और मिट्टी ढलान से नीचे खिसक गईं और 10 से अधिक रिहायशी इमारतें इसकी चपेट में आ गईं। इस हादसे में 10 लोगों को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। तस्वीरों और 'एसोसिएटेड प्रेस' के वीडियो में एक गिरी हुई चट्टान बहुमंजिला इमारत से भी बड़ी दिखाई दे रही है। पहाड़ी इलाके में मलबा बिखरा पड़ा है। क्षतिग्रस्त इमारतों में से एक का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह दब गया है। जबकि दूसरी इमारत के पास एक कार आधी मलबे में दबी हुई दिखाई दी।

अहमदाबाद की पटाखा फैक्ट्री में धमाका, आठ की मौत, 15 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस घटना में आठ लोगों की मौत की हो गई है, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, मौके पर दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं।

जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में मेहमदपुरा स्थित टैलेंट पटाखा फैक्टरी में आग लगी, इसके बाद फैक्टरी में रखे विस्फोटक से धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के अहमदाबाद में एक पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया है। पीएमओ के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक पोस्ट में लिखा गया, 'दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव मदद दे रहा है। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे'। कई मीटर ऊपर उठा धुएं का गुबार पटाखा फैक्टरी में आग लगने के बाद धुएं का गुबार कई सौ मीटर ऊपर तक गया, जिसे कुछ किलोमीटर दूर से भी देखा गया। इस फैक्टरी में आग कैसे लगी इसकी जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

5 किमी दूर तक सुनाई दी धमाके की आवाज

शनिवार दोपहर करीब साढे तीन बजे एक तेज धमाके के साथ इसमें आग लगी, धमाका इतना भीषण था कि 5 किमी दूर तक गांवों तक इसकी आवाज सुनी गई। इस हादसे में एक महिला समेत 9 लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि 15 से अधिक को नजदीक के लोग अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनास्थल आरएएफ कैंप के पीछे वस्त्राल के नजदीक बताया जा रहा है।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में आर्टिकल 370' सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म

'श्रीकांत' बेस्ट हिंदी फिल्म, यामी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

आदित्य धर की फिल्म आर्टिकल 370 को शनिवार को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। वहीं, फिल्म 'श्रीकांत' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला और यामी गौतम को लीडिंग रोल में बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार दिया गया।

वहीं, 'ब्रमायुगम' के लिए ममूटी और 'चंदू चैंपियन' के लिए कार्तिक आर्यन को संयुक्त रूप से लीडिंग रोल में बेस्ट एक्टर का पुरस्कार दिया गया। घोषित विजेताओं में तमिल फिल्म 'रायन' को सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म, 'कमेटी कुर्रोल्लू' को सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म, 'लाहरी' को सर्वश्रेष्ठ ओड़िया फिल्म, 'मुक्काम पोस्ट बॉम्बिलवाड़ी' को सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म और 'सुनीता' को सर्वश्रेष्ठ मणिपुरी फिल्म का पुरस्कार मिला। 'कैप्टन मिलर' और 'मेय्याझगन' को स्पेशल मेंशन से सम्मानित किया गया। पुरस्कारों की घोषणा करते हुए, केंद्रीय जूरी के अध्यक्ष जयराज ने बताया कि तेलुगु फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने भरपूर मनोरंजन के लिए सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार जीता।

बेस्ट एक्टर

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार हिंदी में कार्तिक आर्यन की झोली में आया है। कार्तिक को 'चंदू चैंपियन' के लिए यह अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा ममूटी को भी फिल्म 'ब्रमायुगम ' (मलयालम) के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवॉर्ड मिला है।

बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर

फीचर फिल्म्स की श्रेणी में बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का अवॉर्ड 'अमरण' (तमिल) के लिए म्यूजिक डायरेक्टर जी वी प्रकाश कुमार को मिला है। हिंदी में फीचर फिल्म्स की श्रेणी में बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड 'आर्टिकल 370' के लिए शाश्वत सचदेव को मिला है।

लॉरेंस गैंग ने दी आमिर को धमकी!

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को मिली धमकियों के बाद अब आमिर खान भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर आ गए हैं। खुद को उनके गिरोह का सदस्य बताने वाले आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप के जरिए अभिनेता को जान से मारने की गंभीर धमकी दी है। बता दें कि इस गैंग ने आरोप लगाया है कि खान और अन्य लोग देश में लव जिहाद को बढ़ावा दे रहे हैं और इसे उनकी संस्कृति पर सीधा हमला बताया है।

पोस्ट में लिखा गया कि ऐसे कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और त्वरित प्रतिशोध का वादा किया गया। साथ ही स्पष्ट रूप से धमकी दी गई है कि जो कोई भी अपनी स्टारडम का इस्तेमाल इन कथित कृत्यों को बढ़ावा देने के लिए करेगा, उसकी सांस रोक दी जाएगी। आमिर खान को दी गई धमकियों के अलावा, पोस्ट में राजस्थान के श्री गंगानगर में हाल ही में एक निर्दोष बच्ची के साथ हुए जघन्य अपराध का भी जिक्र किया गया है। फिलहाल इस पोस्ट की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। इसी बीच मुंबई पुलिस ने इस मुद्दे पर रिएक्ट किया है। मुंबई पुलिस ने कहा कि उन्हें अभी तक अभिनेता आमिर खान या उनकी टीम से कथित धमकी के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है।

खबर संक्षेप

राज्य में समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करने बनी समिति

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने एवं इसके प्रारूप का मसौदा तैयार करने के लिए शासन ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई करेंगी, वहीं समिति में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी शत्रुघन सिंह, एमके राऊत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार तथा सेवानिवृत्त प्राचार्य ज्योति रानी सिंह को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति, राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के संबंध में वर्तमान विधिक स्थिति का अध्ययन करेगी। इसके साथ ही विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण सहित संबंधित विषयों पर समान नागरिक संहिता के लिए सुझाव प्रस्तुत करेगी। समिति नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों एवं अन्य हितधारकों से सुझाव प्राप्त कर उनका अध्ययन करेगी। इसके साथ ही अन्य राज्यों में लागू समान नागरिक संहिता संबंधी व्यवस्थाओं का भी परीक्षण करेगी।

भारी वाहन की स्पीड पर ट्रैफिक पुलिस की लगाम नहीं

रायपुर। राजधानी रायपुर में भारी वाहन की स्पीड पर ट्रैफिक पुलिस की लगाम नहीं है, जिसके कारण लगातार भारी गाड़ियां अनियंत्रित होकर पलट रही हैं। शहर के पचपेड़ी नाका के समीप कलर्स मॉल के पास शनिवार को भारी वाहन के कारण बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तेज रफ्तार से गुजर रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर रोड के बीच बने डिवाइडर पर चढ़ गया, जिससे ट्रक पलटने से बच गया। इस हादसे के समय इस मार्ग से कई छोटी-बड़ी गाड़ियां गुजर रही थीं, लेकिन राहत की बात यह है कि उनमें से कोई भी वाहन ट्रक से टकराया नहीं, अन्यथा इस घटना में लोगों की जान भी जा सकती थी।

बगैर सुरक्षा स्कूली बच्चों का परिवहन, 35 ऑटो चालकों के खिलाफ कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक डीसीपी डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर स्कूलों में बच्चों का परिवहन करने वाले ई-रिक्शा, ऑटो एवं वैन की औचक जांच की। जांच के दौरान सुरक्षा खामी पाए जाने पर 35 ऑटो के खिलाफ मोटर व्हिकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पहले दिन ट्रैफिक पुलिस ने एक दर्जन स्कूल के बच्चों को लाने ले जाने वाली गाड़ियों की जांच की। जांच के दौरान कई वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन करते हुए पाया गया। जिन गाड़ियों में क्षमता से अधिक बच्चा ढोने वाली गाड़ियां मिलीं, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। साथ ही ऐसे वाहन चालकों को बच्चों को सुरक्षित ढंग से बैठाने, वाहन की क्षमता का पालन करने तथा सभी यातायात एवं सुरक्षा नियमों का पालन करने के संबंध में समझाइश दी गई। इस दौरान उपस्थित पालकों एवं अभिभावकों को भी बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए क्षमता से अधिक बच्चों को किसी भी वाहन में नहीं बैठाने की सलाह दी गई।

ट्रैफिक डीसीपी के निर्देश पर सपेशल टीम गठित कर की गई जांच

एक दर्जन स्कूल पहुंचकर की जांच

ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

ट्रैफिक पुलिस ने बच्चों को स्कूल लाने ले जाने तथा ऐसे बच्चे जो ऑटो, वैन तथा अन्य सवारी गाड़ियों से स्कूल आना-जाना करते हैं, उनके लिए ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी करने के साथ सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए अपील की है, जो इस तरह है :

- निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन न करें
- वाहन की फिटनेस एवं आवश्यक दस्तावेज सदैव साथ रखें
- बच्चों को सुरक्षित बैठाकर ही वाहन चलाएं
- यातायात नियमों का पालन कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करें

कर्मचारियों की आधी ताकत से चल रहे आंबेडकर, डीकेएस अस्पताल

पुराने सेटअप में द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के स्वीकृत 1382 में 725 पद खाली

एनएमसी की गाइडलाइन और क्षमता बढ़ने के बाद 494 नए पदों की जरूरत भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

- **52% पद खाली :** डॉ. बीआर आंबेडकर, डीके और कैंसर अस्पताल में स्वीकृत 1382 पदों में से 725 पद खाली
- **परिजनों की परेशानी :** स्टाफ की कमी के कारण मरीजों के परिजनों को खुद स्ट्रेचर खींचना और दौड़भाग करनी पड़ रही
- **आउटसोर्सिंग नाकाम :** व्यवस्था को आउटसोर्सिंग (ठेके) पर छोड़ने से स्थिति सुधर नहीं रही

प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल माने जाने वाले डा. बीआर आंबेडकर, डीके और कैंसर अस्पताल द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों की आधी ताकत के भरोसे चल रहे हैं। पुराने सेटअप के अनुसार तीन हास्पिटलों में स्वीकृत 1382 पद में 725 यानी 52 फीसदी पद खाली हैं। इन पर भर्ती की प्रक्रिया भेजे गए प्रस्ताव की स्वीकृति के इंतजार में अटकी है। अस्पताल की क्षमता बढ़ने और एनएमसी की गाइडलाइन के अनुसार आंबेडकर और डीके हास्पिटल में इस वर्ग के 494 पदों की और जरूरत हैं।

आंबेडकर और डीके अस्पताल में अक्सर मरीजों के परिजनों के स्ट्रेचर और व्हीलचेयर खींचने की शिकायत सामने आती है। इसके अलावा अस्पताल से संबंधित अन्य कार्य के लिए परिजनों को स्वयं भागादौड़ी करनी पड़ती है। इसकी एक मात्र वजह अस्पताल में द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों के पद पर सालों से भर्ती नहीं होना है। चिकित्सा शिक्षा विभाग स्तर पर इस तरह के काम को आउटसोर्सिंग के भरोसे छोड़ा है, जिसकी वजह से व्यवस्था पटरी पर नहीं बैठ पा रही है। आंबेडकर के अलावा डीके और 100 बिस्तर की क्षमता वाले कैंसर अस्पताल में स्वीकृत सेटअप के अनुसार तीनों श्रेणी के कुल 1382 पद स्वीकृत हैं, इनमें 657 पद भरे हुए हैं और 725 पद रिक्त हैं। खाली पदों पर नई भर्ती तो दूर, पुराने कर्मचारियों के रिटायर होने, मृत्यु अथवा तबादला होने के बाद भी खाली पदों पर कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की जा सकी है। मरीजों की संख्या बढ़ने के बाद आंबेडकर अस्पताल में मरीजों के बिस्तरों की क्षमता 700 से बढ़कर 1355 कर दी गई है। इसके बाद और एनएमसी की आईएनसी एवं शासन के सामान्य मानकों के अनुसार इन बड़े अस्पतालों में 494 पदों की और जरूरत है। विधानसभा में विधायक इंद्र साव के सवाल पर लिखित जवाब में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि भर्ती के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इस पर स्वीकृति मिलने के 3 से 4 महीने के भीतर रिक्त पदों की भर्ती कर ली जाएगी। प्रस्ताव पर अनुमति की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

आंबेडकर में 16 सौ और डीकेएस में 600 पदों की जरूरत

वर्तमान में आंबेडकर अस्पताल में 1355 और डीकेएस में मरीजों के बिस्तरों की संख्या 450 है। मानकों के अनुसार आंबेडकर हास्पिटल में 1600 और डीकेएस में द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों की संख्या 600 होनी चाहिए। उपलब्धता के अनुसार आंबेडकर में 1250 और डीकेएस में 456 पद स्वीकृत हैं। यानी दोनों अस्पतालों में क्रमशः 350 और 144 कर्मचारियों की आवश्यकता और है। इसी तरह शासकीय हृदय रोग संस्थान, एड्वांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में 31 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध है। स्वीकृत सेटअप अनुसार तीनों श्रेणी के कुल 53 पद स्वीकृत हैं, जिसके विरुद्ध 21 पद भरे हैं एवं 32 पद रिक्त हैं।

डेढ़ माह में चोरी की 51 दोपहिया जब्त हिस्ट्रीशीटर सहित 31 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दोपहिया वाहन चोरों के खिलाफ संबंधित थानों के साथ क्राइम ब्रांच की टीम अभियान चलाकर शातिरों को गिरफ्तार करने का काम कर रही है। क्राइम तथा पुलिस की टीम ने डेढ़ माह के भीतर पुलिस कमिश्नरेट के सभी जोन में चोरी के 51 वाहन जब्त किए हैं। इस दौरान 31 वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से 36 लावारिस वाहन भी बरामद कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। जब्त किए गए 51 दोपहिया में से 36 गाड़ी एसीसीयू की विशेष टीम ने, जबकि 15 वाहन संबंधित थाना पुलिस ने जब्त किए हैं। इसके अलावा लावारिस मिले 36 वाहनों में 22 वाहन एसीसीयू और 14 वाहन संबंधित थानों की पुलिस ने जब्त किए हैं। इसी अभियान के तहत सोमवार को एसीसीयू और पंडरी थाना पुलिस ने शातिर हिस्ट्रीशीटर वाहन चोर अभिषेक राय उर्फ जीतू (26) को गिरफ्तार किया। वाहन चोरी के कई मामलों में शामिल अभिषेक लगातार चोरी की बाइक बदल-बदलकर इस्तेमाल कर रहा था। सूचना के आधार पर विधानसभा क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे बाइक के साथ पकड़ा गया।

दूसरे राज्य में खपा रहे चोरी की गाड़ियां

पुलिस के अनुसार दोपहिया चोरी करने ज्यादातर चोर चोरी की गाड़ियों को महासमुंद जिला होते हुए खपाने के लिए ओडिशा ले जाते हैं। सीसीटीवी फूटेज मिलने तथा चोर के पकड़े जाने के बाद पुलिस को पता चलता है कि फलां जगह से चोरी गई दोपहिया ओडिशा में जाकर बेची गई है। कबाड़ियों के यहां गाड़ी कटिंग कर बेचने का काम पहले की तुलना में कम हो गया है। इसका प्रमुख कारण पुलिस ने सभी कबाड़ियों को बगैर आरसी के गाड़ी कटिंग नहीं करने सख्त हिदायत दी है। कबाड़ी के यहां गाड़ी बिक्री की मुखबिरी हो जाती है, इसलिए कबाड़ का काम करने वाले चोरी की दोपहिया खरीदने से परहेज कर रहे हैं।

दो गांजा तस्करों को पांच-पांच साल कैद, जुर्माना

रायपुर। अभनपुर-आरंग के रास्ते कार से गांजा तस्करी कर ले जाने की कोशिश करने वाले दो गांजा तस्करों को विशेष न्यायाधीश शैलेश शर्मा की एनडीपीएस कोर्ट ने पांच-पांच वर्ष कैद तथा 50-50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक स्वाति शर्मा के अनुसार, कोर्ट ने बलौदाबाजार निवासी किशोर कुमार साहू, राजकुमार ध्रुव को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। दोनों आरोपियों को पुलिस ने मुखबिर के सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया था।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

कंट्रोल दुकानों के आवंटन पर 'कंट्रोल' नहीं, नियम तोड़कर पार्षद ने खुद रख ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग अंतर्गत संचालित उचित मूल्य की दुकान आबंटन करने में भी बड़ी गड़बड़ी की जा रही है। एक ऐसा ही मामला रायपुर जिले के अभनपुर विकासखंड अंतर्गत गोबरा नवापारा के वार्ड क्रमांक 16 का सामने आया है, जहां उचित मूल्य की दुकान ऐसे महिला समूह को आबंटित कर दी गई, जिसकी अध्यक्ष स्वयं वार्ड की पार्षद है।

आबंटन के लगभग दो महीने बाद जब इसका राज गांव में खुला, तो लोगों ने इसकी शिकायत अभनपुर तहसील से लेकर खाद्य विभाग में की। इधर इस मामले में कोई एक्शन लिया जाता, उससे पहले अपनी कुर्सी जाने के भय से पार्षद ने समूह के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इधर खाद्य विभाग के अधिकारी का कहना है कि एसडीएम स्तर पर इस दुकान का आबंटन हुआ है तथा इस मामले की शिकायत अभी उनके पास आई है। इस मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

फूड इंस्पेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर दुकान आबंटित

गोबरा नवापारा में वार्ड क्रमांक-16 में उचित मूल्य की दुकान आबंटन करने के लिए एसडीएम कार्यालय की ओर से विज्ञापन जारी किया गया था। इसके एवज में कई महिला स्वसहायता समूह की ओर से आवेदन किए गए थे। इन आवेदनों की जांच के बाद गुनगुन महिला स्वसहायता समूह को दुकान आबंटित कर दी गई। इस समूह ने करीब दो माह तक दुकान संचालित करते हुए खाद्यान्न का वितरण भी किया, लेकिन इस बीच गांव के कुछ लोगों को जानकारी मिली कि जो समूह उचित मूल्य की दुकान संचालित कर रहा है, उसकी अध्यक्ष कोई और नहीं, बल्कि वार्ड की पार्षद निर्मला साहू है। लोगों ने इसके बाद इसकी शिकायत फूड इंस्पेक्टर से लेकर एसडीएम दफ्तर में की, लेकिन इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। तब जाकर ग्रामीणों ने इसकी शिकायत जिला खाद्य अधिकारी से की।

3 माह बाद भी दुकान खुली नहीं

हद तो तब हो गई, जब दुकान आबंटन होने के 3 माह बीत जाने के बाद भी समूह द्वारा दुकान खोली नहीं गई है। इसके कारण बंजारी गांव के लोगों को अभी भी दूसरे गांव में जाकर उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न लेना पड़ रहा है।

शिकायत मिली है

इन दोनों मामलों में शिकायत मिली है। गोबरा नवापारा की वार्ड पार्षद ने समूह के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है, वहीं बंजारी गांव में दुकान आबंटन की जांच कराएंगे। फूड इंस्पेक्टर ने अगर जांच करने में लापरवाही या गड़बड़ी की है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने संबंधित विभाग को प्रस्ताव भेजेंगे।

- रवि सिंह, एसडीएम अभनपुर

कार्रवाई संबंधी प्रस्ताव आयगा तो जांच कराएंगे

शिकायत मिली है। दोनों दुकानें एसडीएम अभनपुर स्तर पर आबंटित की गई है। एसडीएम स्तर पर कार्रवाई संबंधी कोई प्रस्ताव आएगा तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

- भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक रायपुर

कार्रवाई से पहले पार्षद ने अध्यक्ष पद छोड़ा

इधर ग्रामीणों द्वारा एसडीएम दफ्तर में की गई शिकायत की जानकारी जैसे ही वार्ड पार्षद को मिली, तो उनके द्वारा आनन-फानन में अपनी कुर्सी जाने के भय से स्वसहायता समूह के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधि होते हुए कोई भी सरकारी दुकान अपने नाम आबंटित नहीं करा सकता। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पार्षद ने अपने पद का फायदा उठाकर दुकान को अपने समूह को दिलाया है, इसलिए इस मामले में जांच कर उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

फूड इंस्पेक्टर का बड़ा रोल

विभागीय सूत्र के अनुसार किसी भी क्षेत्र में उचित मूल्य की नई दुकान आबंटन करने के लिए विज्ञापन जारी किया जाता है। इस विज्ञापन के लिए जिन समूहों द्वारा आवेदन किया जाता है, उनकी जांच-पड़ताल की जाती है, ताकि दुकान ऐसे समूह या समिति को आबंटित न हो जो अपात्र है। इस रिपोर्ट के आधार पर अधिकारी दुकान का आबंटन करता है। इस तरह अपात्र समूह को दुकान आबंटन में फूड इंस्पेक्टर का बड़ा रोल है।

विज्ञापन में एक समूह का आवेदन, आबंटित दूसरे समूह को

एक अन्य प्रकरण में फूड इंस्पेक्टर द्वारा एसडीएम के समक्ष पेश की गई फाइल के आधार पर एक ऐसे समूह को दुकान आबंटित कर दी गई है, जिसके द्वारा जारी विज्ञापन की समय-सीमा खत्म होने के बाद आवेदन जमा किया गया है। नया रायपुर के ग्राम चेरिया के आश्रित ग्राम बंजारी में यह दुकान आबंटित हुई है। यहां भी फूड इंस्पेक्टर ने यह कहकर समय-सीमा के अंदर आए समूह को दुकान आबंटन नहीं होने दिया कि सिर्फ एक नाम ही दुकान के लिए आया है, जबकि बाद में दोबारा विज्ञापन जारी किए बिना दूसरे समूह को यह दुकान आबंटित कर दी गई।

शब्द पहेली - 6291

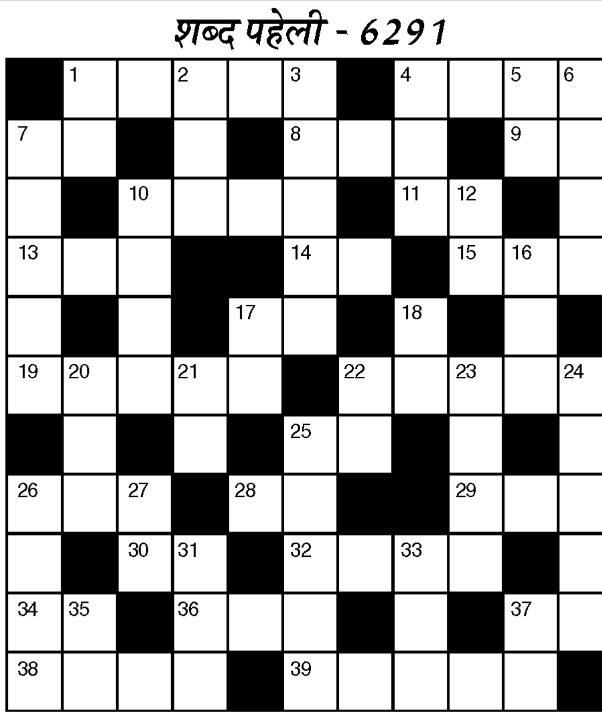

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 6290 का हल

ल	गा	म	■	अ	■	त	र	ब	त	र
ल	■	त	म	स	■	ह	म	ला	■	खै
क	श	■	■	ल	■	ल	■	■	का	ल
■	ही	■	क	हा	नी	का	र	■	र	■
ब	द	मा	श	■	र	■	च	म	क	ना
■	■	■	ल	क्ष	■	सी	ना	■	■	■
र	त	ज	गा	■	आ	■	का	म	या	ब
■	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	च	■
रा	ह	■	■	म	■	रा	■	■	क	म
ह	■	त	ना	व	■	पा	य	ल	■	हु
त	ल	ब	गा	र	■	न	■	ब	ल	वा

सूडोकु नवताल - 6301

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल - 6300 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

बिलासपुर
रविवार 19 जुलाई 2026
आषाढ़, शुक्ल पक्ष षष्ठी
वर्ष : 26, अंक : 118
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 27.0
न्यून. 24.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

लापरवाही से करोड़ों का नुकसान

शहरी निकायों में भी लापरवाही के चलते राजस्व को चपत लगी है। राजनांदगांव नगर निगम में 'सुभाष द्वार बिजनेस कॉम्प्लेक्स' की दुकानों को समय पर आवंटित नहीं करने से किराए का नुकसान हुआ। इसी तरह, जांजगीर-नैला और अकलतरा की पानी सप्लाई योजनाओं में ठेकेदारों ने काम में भारी देरी की, लेकिन इसके बावजूद अफसरों ने उनसे 5.18 करोड़ की जुर्माना राशि (क्षतिपूर्ति) नहीं वसूली।

डिजिटल के जमाने में नकद लेन-देन

सरकार ने पंचायतों के लिए 'ई-ग्राम स्वराज पोर्टल' शुरू किया है ताकि सारा लेन-देन ऑनलाइन हो। लेकिन सीएजी ने पाया कि आज भी पंचायतों में ज्यादातर पैसों का लेन-देन पुराने ढर्रे पर, यानी नकद और रजिस्टर के जरिए हो रहा है। केवल केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदान का हिसाब ही ऑनलाइन रखा जा रहा है। शहरों के स्थानीय निकायों में भी आधुनिक डबल-एंट्री अकाउंट सिस्टम पूरी तरह लागू नहीं हो पाया है।

2018 से 2023 तक सीएजी की रिपोर्ट में वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रबंधन में गंभीर कमियां

पंचायतों में 61 फीसदी पद खाली, कैसे आएगी खुशहाली, 3243 करोड़ फंड भी मिला कम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में जमीनी स्तर पर काम करने वाली पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों पर विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की ताजा रिपोर्ट चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार जिला और जनपद पंचायतों में अफसरों व कर्मचारियों के स्वीकृत पदों में से 61 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। वहीं दूसरी तरफ, विकास कार्यों के लिए राज्य वित्त आयोग द्वारा तय की गई राशि में से स्थानीय निकायों को 3,243.46 करोड़ रुपये कम दिए गए। वित्तीय कुप्रबंधन और स्टाफ की कमी का सीधा असर गांवों और शहरों के विकास पर ▸▸ शेष पेज 8 पर

स्टाफ का भारी टोटा

निदेशालय, जिला और जनपद पंचायतों में कुल स्वीकृत 2,260 पदों में से केवल 872 पदों पर ही लोग काम कर रहे हैं, जबकि 1,388 पद खाली पड़े हैं। ग्रामीण स्तर पर रीढ़ माने जाने वाले ग्राम पंचायत सचिवों के भी 1,278 पद खाली हैं, जिससे सरकारी योजनाओं को लागू करने में भारी दिक्कत आ रही है।

नियम बने पर अधिकार नहीं मिले

संविधान के तहत पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 29 जरूरी विषय सौंपे जाने थे। रिपोर्ट कहती है कि कागजों पर तो यह काम हुआ, लेकिन जमीन पर इन विभागों को चलाने के लिए कोई पुख्ता इंतजाम या व्यवस्था नहीं की गई। इसके अलावा, वर्ष 2018 से 2023 के बीच जिला योजना समितियों की बैठकें ही नहीं हुईं, जिससे स्थानीय स्तर पर विकास का खाका तैयार करने का मुख्य उद्देश्य ही फेल हो गया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

'पिच ब्लैक' अभ्यास का हिस्सा बनेंगे राफेल

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के कई राफेल विमान ऑस्ट्रेलिया द्वारा 20 जुलाई से सात अगस्त तक आयोजित किए जाने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'पिच ब्लैक' का हिस्सा होंगे। इस अभ्यास से अभियानगत तालमेल बेहतर होगा। बेहतरीन तौर-तरीकों के आदान-प्रदान में मदद मिलेगी। 'पिच ब्लैक' आरएएएफ का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय अभ्यास है।

कार के टैंकर से टकराने से तीन लोगों की मौत

तिरुप्पुर। तमिलनाडु में सेलम-कोयंबटूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेंगापल्ली के पास शनिवार को एक कार के सड़क किनारे खड़े गैस टैंकर से टकरा जाने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान विजय, उनकी पत्नी थेनमोझी और कुमार के रूप में हुई है। आठ लोगों का यह समूह तिरुत्तनी से ऊटी घूमने जा रहा था।

शहर की निचली बस्तियों में महामारी की आशंका, कचरा और गंदगी हर तरफ फैली

बिलासपुर में अलर्ट, एनएच पर चक्काजाम पानी निकालने जूझते रहे सैकड़ों परिवार

मौसम विज्ञान विभाग द्वारा आगामी 48 से 72 घंटों में बिलासपुर जिले में आकाशीय बिजली एवं गरज-चमक के साथ भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 30 एवं 34 जिले में लागू कर दिया है। इसके तहत व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बिलासपुर

खास खबर

उन्होंने सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रहते हुए जनजीवन की सुरक्षा और संभावित आपदा से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सभी पानी भराव वाले स्कूल बंद कर दिए गए हैं तो सभी सरकारी अधिकारी, कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गईं हैं। इसके साथ ही मुख्यालय छोड़ने पर रोक भी लगा दी गई। इधर शहर की निचली बस्तियों में महामारी की आशंका है। कचरा और गंदगी हर ▸▸ शेष पेज 8 पर

30 से अधिक कालोनियों में रात भर बिजली बंद

बिलासपुर में रिकॉर्डतोड़ बारिश के व्यापार विहार स्थित त्रिवेणी भवन सब-स्टेशन पूरी तरह पानी से घिर गया। सुरक्षा कारणों से बिजली आपूर्ति रोकनी पड़ी। इसके चलते तारबहार, आधा तालापारा, विनोबा नगर, विद्यानगर, क्रांति नगर, व्यापार विहार, वैशाली नगर, हंसा विहार, साकेत अपार्टमेंट, लिंक रोड, उषा हाइट्स, मित्र विहार, जैकअप चाल, अग्रेशन चौक सहित अनेक कॉलोनियों और अपार्टमेंट में पूरी रात बिजली गुल रही।

गाज की चपेट में आने से दो बच्चों की मौत

धौरपुर। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पेड़ के पास खेल रहे दो बच्चों की मौत हो गई जबकि दो सगे भाई गंभीर रूप से झुलस गए। घटना विकासखण्ड लुण्ड्रा अंतर्गत ग्राम नागम की है। स्कूल की छुट्टी होने के बाद शुक्रवार को शाम 4.30 बजे ग्राम नागम निवासी रोशन पिता विजय पनिका (6वर्ष), रंजीत पिता लोहरा नगेशिया (12वर्ष), प्रभु राम पिता भीम साय (14वर्ष) अपने छोटे भाई दिनेश राम (10वर्ष) के साथ घर के पास ही इमली पेड़ के नीचे खेल रहे थे। इस दौरान इमली पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने के कारण खेल रहे चारों बच्चे बुरी तरह से झुलस गए तथा गिरकर अचेत हो गए।

खेत में यूरिया डालने गए युवक की मौत

बिश्रामपुर। बारिश के मौसम के बीच खेतों में काम कर रहे एक युवक की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई है। गौरतलब है कि धान की बेहतर फसल के लिए खेत में यूरिया डालने गए ग्राम कल्याणपुर निवासी 26 वर्षीय युवक कुंजबिहारी पिता सुखराम चेरवा शुक्रवार को ग्राम छत्तरपुर और कल्याणपुर की सीमा पर स्थित अपने खेत में गया था,शाम करीब 4 बजे अचानक तेज बारिश शुरू हो गई,कुछ ही समय में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से कुंजबिहारी की मौत हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े, लेकिन तब तक युवक गंभीर रूप से झुलस चुका था,उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

दो साल के विकास और प्रगति पर होगी चर्चा

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद राजनांदगांव में आज

डॉ. हिमांशु द्विवेदी | डॉ. रमन सिंह | संतोष पांडे | मधुसूदन यादव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ राजनांदगांव

खास खबर

प्रदेश की भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने के अवसर पर हरिभूमि-आईएनएच द्वारा जिला स्तर पर जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार 19 जुलाई को शहर के बीच होटल एबीस ग्रीन में जिला संवाद कार्यक्रम दोपहर 1.30 बजे से आयोजित होगा। जिला संवाद में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी द्वारा विगत दो वर्ष के दौरान राजनांदगांव जिले में किए गए विकास कार्यों एवं आने वाले समय में प्रगति की संभावनाओं के साथ ही जनहित के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस आयोजन में छह राउंड में शहर सहित जिले के विकास को लेकर चर्चा की जाएगी। जिसमें जनप्रतिनिधि, पुलिस-प्रशासन, समाजसेवी, उद्योगपति, व्यापार सहित सभी क्षेत्र से लोग शामिल होंगे। आयोजन में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे, विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, विधायक भोलाराम साहू, महापौर मधुसूदन यादव, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, पूर्व विधायक छन्नी साहू, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, कांग्रेस जिला अध्यक्ष विपिन यादव, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र ▸▸ शेष पेज 8 पर

भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-1 सफलतापूर्वक लॉन्च

कैसा है विक्रम-1 रॉकेट

विक्रम-1 चार चरणों वाला रॉकेट है। इसके पहले तीन चरणों में ठोस ईंधन का इस्तेमाल किया गया है। चौथे चरण में लिक्विड फ्यूल इंजन लगा है, जिसे जरूरत पड़ने पर दोबारा चालू किया जा सकता है। इससे सैटेलाइट को उसकी तय ऑर्बिट में ज्यादा सही जगह पर पहुंचाने में मदद मिलती है।

नई दिल्ली। भारत में निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले कक्षीय रॉकेट 'विक्रम-1' ने शनिवार को कई तकनीकी पेलोड और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पोस्टकार्ड सहित विभिन्न पोस्टकार्ड को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में पहुंचाया।

ओवर टाइम भुगतान घोटाला, एपी त्रिपाठी फिर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

पौने दो सौ करोड़ रुपए के छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के ओवरटाइम भुगतान घोटाले में ईओडब्ल्यू, एसीबी ने तत्कालीन एमडी अरुणपति त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है।

जांच एजेंसी ने उन्हें एसीबी, ईओडब्लू की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने 20 जुलाई तक पुलिस रिमांड हासिल की है। त्रिपाठी को जांच एजेंसी ने शुक्रवार को पूछताछ करने बुलाया, इसके बाद उन्हें दूसरे दिन गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। त्रिपाठी से पूछताछ में ओवर टाइम भुगतान घोटाले में कई अहम खुलासे हो सकते हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने 29 नवंबर 2023 को तीन लोगों के पास से 28.80 लाख रुपए नकद बरामद किए। जानकारी जुटाने पर यह राशि ओवर टाइम भुगतान घोटाले से जुड़े होने की बात सामने आई। इसके बाद जांच एजेंसी ने इसकी सूचना राज्य शासन को भेजी, जिसके आधार पर ईओडब्ल्यू-एसीबी ने एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कर्मचारियों के ओवरटाइम, बोनस, अतिरिक्त चार कार्य दिवस और सर्विस चार्ज के नाम पर मैनपावर एजेंसियों को नियमों के विपरीत भारी भुगतान किया गया।

ओवर टाइम के नाम पर 182.98 करोड़ का भुगतान

जांच एजेंसियों के अनुसार वर्ष 2019 से 2023 के बीच ओवर टाइम के नाम पर 182.98 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया गया। इसमें लगभग 101.20 करोड़ रुपए ओवरटाइम, 12.21 करोड़ रुपए बोनस, 54.46 करोड़ रुपए अतिरिक्त चार कार्य दिवस और 15.11 करोड़ रुपए सर्विस चार्ज के नाम पर जारी किए गए। आरोप है कि इस राशि का बड़ा हिस्सा कथित कमीशन के रूप में सिंडिकेट के जरिए विभिन्न लोगों तक पहुंचाया गया।

चार्जशीट दाखिल

ओवर टाइम भुगतान घोटाला प्रकरण में एसीबी, ईओडबलू की टीम अनवर ढेबर, नवीन प्रताप सिंह तोमर, तिजऊराम निर्मलकर, अभिषेक सिंह, नीरज कुमार चौधरी, अजय लोहिया, अजीत नरबले, अमित प्रभाकर सालुंके, अमित मित्तल, एन. उदय राव, राजीव द्विवेदी और संजीव जैन सहित 12 आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में अभियोग पत्र पेश कर चुकी है। पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।

मैनपावर एजेंसियों की भूमिका की जांच

जांच में सुमित फैसिलिटीज, प्राइमवन वर्कफोर्स, ए-टू-जेड इंफ्रासर्विसेज, अलर्ट कमांडोज और ईगल हंटर साल्यूशंस जैसी मैनपावर एजेंसियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि इन एजेंसियों को भुगतान किस आधार पर स्वीकृत किए गए और वास्तविक कर्मचारियों तक कितनी राशि पहुंची।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी संबंधी याचिकाओं पर कल सुनवाई

नई दिल्ली। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग संबंधी याचिकाओं के एक समूह पर उच्चतम न्यायालय 20 जुलाई को सुनवाई करेगा।

उच्चतम न्यायालय की 20 जुलाई की वाद सूची के अनुसार, इस मुद्दे से संबंधित चार अलग-अलग याचिकाओं पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत ने 13 जुलाई को इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को वस्तु स्थिति रिपोर्ट अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। पीठ ने इस मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर उसका जवाब मांगा था। उच्चतम न्यायालय ने कहा था, कुछ रिट याचिकाओं में यह कहा गया है कि इस मामले में पहले ही कुछ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं और जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया है। इसलिए हम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी को निर्देश देते हैं कि वह इस न्यायालय में वस्तु स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा है जवाब

सीबीआई जांच की मांग

एक याचिकाकर्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने इस प्रकरण की सीबीआई से जांच कराने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है। उन्होंने ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से लेखा परीक्षण (ऑडिट) कराने की भी मांग की है।

भक्तों को धोखा, ईडी ने दर्ज किया केस

खुद को शिव का अवतार बताकर मनी-लॉन्ड्रिंग

एजेंसी ▸▸ मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल ऑफिस ने मुंबई की स्पेशल कोर्ट में अशोक कुमार एकनाथ खरात (उर्फ कैप्टन/भोंदू बाबा), उनकी पत्नी कल्पना खरात और चार अन्य लोगों के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग की शिकायत (पीसी) दर्ज की है। इसमें धारा 4 के तहत सजा का प्रावधान है। भोंदू बाबा ने भक्तों को धोखा देने के लिए खुद को भगवान शिव का अवतार बताया। लोगों के पैसे व संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। ईडी ने आरोपी और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद 19.20 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त (अटैच) किया है।

भक्तों को किस तरह जाल में फंसाया

ईडी ने सरकार वाडा, शिरडी, सिन्नर और राहाता पुलिस स्टेशनों में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी। जांच से पता चला कि अशोक कुमार एकनाथ खरात ने भक्तों की धार्मिक आस्था का फायदा उठाया। बेईमानी से उन्हें 'अवतार पूजा' करने, बीमारियों को ठीक करने, दुर्भाग्य को टालने और व्यापार में तरक्की सुनिश्चित करने के बहाने पैसे और संपत्ति देने के लिए उकसाया।

आंदोलन के चलते चर्चा में सोनम वांगचुक ने साइंस से बदल दिया समाज

सेकमोल, आइस स्तूप जैसे कई इनोवेशन से बना दिया 'पहाड़ों' में जीवन आसान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सोशल एक्टिविस्ट और इंजीनियर सोनम वांगचुक एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। नीट परीक्षा में अनियमितताओं के विरोध में चल रही उनकी भूख हड़ताल के बीच शनिवार तड़के उन्हें जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया है। लेकिन आंदोलनों से अलग सोनम वांगचुक की एक और पहचान है, जिसने उन्हें भारत ही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में पहचान दिलाई। वह इंजीनियर, शिक्षा सुधारक और इनोवेटर के तौर पर लंबे समय से हिमालयी क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान खोजने में जुटे रहे हैं।

भारत ही नहीं दुनिया के कई हिस्सों में सराहे गए हैं 'प्रयोग'

सेकमोल कैंपस सीखने का अनोखा मॉडल

लद्दाख में जन्मे वांगचुक ने साल 1988 में स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख यानी सेकमोल की सह-स्थापना की थी। सेकमोल का मॉडल केवल किताबों और क्लासरूम तक सीमित नहीं है। यहां छात्रों को रोजमर्रा की वास्तविक समस्याओं से जुड़कर सीखने का मौका मिलता है। वे टिकाऊ इमारतों, रिन्यूएबल एनर्जी और स्थानीय जरूरतों के मुताबिक तैयार किए गए समाधानों पर काम करते हैं। इस तरह कैंपस खुद एक प्रयोगशाला की तरह काम करता है, जहां पढ़ाई के साथ व्यावहारिक अनुभव पर जोर दिया जाता है। इस मॉडल में छात्रों को केवल परीक्षा पास करने के लिए तैयार करने के बजाय समस्या पहचानने और उसका समाधान तलाशने की प्रक्रिया से जोड़ा जाता है। यही वजह है कि सेकमोल को सोनम वांगचुक के शिक्षा से जुड़े सबसे चर्चित प्रयोगों में गिना जाता है।

पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक उच्च शिक्षा : साल 2016 में शुरू हुआ हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स, लद्दाख यानी एचआईएएल भी सोनम की प्रमुख पहलों में शामिल है। इसके पीछे विचार ऐसी उच्च शिक्षा व्यवस्था तैयार करना था, जो हिमालयी और पर्वतीय क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों से जुड़ी हो। यहां इंजीनियरिंग, पर्यावरण, टिकाऊ विकास और व्यावहारिक शिक्षा को एक साथ जोड़ने की कोशिश की गई।

बर्फ से बना दिया पानी का 'बैंक'

वांगचुक के सबसे चर्चित इनोवेशन में 'आइस स्तूप' है जो लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में खेती के समय पानी की कमी बड़ी समस्या से निबटने में मददगार साबित हुआ। सर्दियों के दौरान पानी को शंकु के आकार में जमा कर बर्फ का विशाल ढांचा तैयार किया जाता है। मौसम गर्म होने पर यह बर्फ धीरे-धीरे पिघलती है और जरूरत के समय पानी उपलब्ध कराने में मदद करती है। खास बात यह है कि इस व्यवस्था को चलाने के लिए बिजली पर निर्भरता नहीं होती।

कड़ाके की ठंड में बिना महंगे हीटर के गर्म घर

लद्दाख में में घरों को गर्म रखना आसान नहीं होता और इसके लिए बड़ी मात्रा में ईंधन और ऊर्जा की जरूरत पड़ सकती है। वांगचुक और सेकमोल से जुड़े छात्रों ने इस समस्या पर भी काम किया। स्थानीय मिट्टी और आसानी से उपलब्ध सामग्री की मदद से ऐसी इमारतों के डिजाइन पर काम किया गया, जो सूरज से मिलने वाली गर्मी का बेहतर इस्तेमाल कर सकें। पैसिव सोलर तकनीक पर आधारित इन इमारतों का मकसद बेहद ठंडे मौसम में पारंपरिक हीटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम करना है।

संसद का मानसून सत्र इस बार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह 13 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र में कुल 25 दिनों में 19 बैठकें होंगी। मोदी सरकार विदेशी अंशदान (नारेबाजी/चंदे) विनियमन संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के अपमान पर 3 साल की सजा का बिल जैसे कई नए विधेयक पेश करने की तैयारी में है। वहीं, मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट-यूजी पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई-20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा। संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संवाद, सहमति और संसदीय नियमों का पालन आवश्यक है। संसद की गरिमा तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे तथा विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुनें। ***इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

मानसून सत्र के लिए आत्म अवलोकन जरूरी

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

> **आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ ग्रीष्म ऋतु की तपन से राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है।**

यह लगभग साढ़े तीन दशक पहले की बात है। उन दिनों की संसदीय जिन्दगी में सांसदों के पास न तो लैपटॉप थे, न 'गूगल' की त्वरित सुविधा और न ही सत्ता पक्ष या प्रतिपक्ष के पास अपने कोई भारी-भरकम मीडिया-वॉर रूम थे। पुरानी कतरनें एकत्र करने वाला कोई अत्याधुनिक तंत्र भी तब मौजूद नहीं था। मगर उन दिनों एचवी कामथ, नाथ पई, मधु लिमये, मधु दंडवते, डॉ. राममनोहर लोहिया और आचार्य कृपलानी सरीखे ऐसे प्रखर सांसदों की मौजूदगी, सत्ता पक्ष को भी सदा मुस्तैद व जवाबदेह बनाए रखती थी। नेहरू-लोहिया के मध्य 'साढ़े 5 आना औसत आय' और कृपलानी व नेहरू के मध्य कृष्ण मेनन प्रकरण पर होने वाली बहसें आज भी प्रासंगिक हैं और संसदीय दिशा की सच्ची सूचक हैं। तब ये दिग्गज जब सदन में प्रवेश करते थे, तो अपने तर्क के पक्ष में नियमित 'होमवर्क' भी करते थे और उनके दोनों हाथों में संदर्भ पुस्तकें होती थीं।

मगर अब इन सब बातों की कोई आवश्यकता भी महसूस नहीं होती। क्योंकि आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है, जहां देश की दिशा और दशा तय होती है। हर बार की तरह इस बार भी एक यक्ष प्रश्न पूरे देश के मानस पटल पर गूंज रहा है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा।

राष्ट्रहित को मिले सर्वोच्च प्राथमिकता

जब सरकारें विपक्ष की चिंताओं को उदारतापूर्वक सुनती हैं और विपक्षी नेताओं के साथ नेपथ्य में अनौपचारिक संवाद स्थापित करती हैं, तो प्रायः बड़े से बड़े गतिरोध भी बर्फ की भांति पिघल जाते हैं। इन गंभीर परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में, यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि हमारे जन-प्रतिनिधि यह आत्मसात करें कि संसद कोई राजनीतिक अखाड़ा नहीं, अपितु राष्ट्रीय विमर्श का सर्वोच्च और पवित्र मंदिर है। इस मानसून सत्र से सम्पूर्ण राष्ट्र को यह अपेक्षा है कि विपक्ष अपना विरोध अवश्य दर्ज करे, परंतु तर्कों और प्रामाणिक तथ्यों की कसौटी पर। सरकार को भी विपक्ष के तीखे प्रश्नों का धैर्यपूर्वक सामना करना चाहिए और बिना किसी राजनीतिक दंभ के उनका उचित व पारदर्शी उत्तर प्रदान करना चाहिए। अंततः, यह प्रश्न अपनी जगह अडिग है कि क्या यह मानसून सत्र एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन की वेदी पर स्वाहा हो जाएगा। इस प्रश्न का उत्तर पूर्णतः इस बात पर निर्भर करेगा कि सत्ता और विपक्ष, दोनों ही पक्ष अपने राजनीतिक अहंकार और दलगत स्वार्थों को किनारे रखकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं या नहीं। यदि दोनों ही पक्ष यह स्मरण रखें कि वे उस भव्य इमारत में इसलिए आसीन हैं क्योंकि देश की सवा सौ करोड़ से अधिक जनता ने उन पर अपना अटूट विश्वास जताया है तो निश्चित ही यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने के बजाय भारत की प्रगति का नया अध्याय लिखेगा।

ज्वलंत मुद्दों की लंबी श्रृंखला

यह प्रश्न केवल एक राजनीतिक जिज्ञासा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के कोटि-कोटि करदाताओं की उस गहरी चिंता का प्रकटीकरण है जो वे अपने द्वारा चुने गए जन-प्रतिनिधियों से रखते हैं। विगत कुछ वर्षों के संसदीय इतिहास के पन्नों को यदि हम पलटें तो एक अत्यंत निराशाजनक चित्र उभर कर सामने आता है। संसद के सत्र, चाहे वह शीतकालीन हो, बजट हो या मानसून, प्रायः शोरगुल, अध्यक्ष के आसन के समीप आकर की जाने वाली नारेबाजी और अंततः अनिश्चित काल के लिए कार्यवाही स्थगित होने के गवाह बने हैं।

विपक्ष के पास सदैव सरकार को घेरने के लिए ज्वलंत मुद्दों की एक लंबी श्रृंखला होती है। चाहे वह बढ़ती महंगाई का विषय हो, बेरोजगारी की चुभती समस्या हो, केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग का आरोप हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील प्रसंग हों।

सशक्त और मुखर हो विपक्ष

विपक्ष का निरंतर यह तर्क रहता है कि सरकार सदन में उनके स्वर को दबाने का प्रयास कर रही है, महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा से पलायन कर रही है और बिना किसी सार्थक बहस के कानूनों को पारित करवा रही है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का यह मुखर आरोप होता है कि विपक्ष जानबूझकर राष्ट्र के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहा है, उसके पास कोई ठोस तर्क नहीं है और वह केवल राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहा है। इस निरंतर चलने वाले आरोप-प्रत्यारोप के मध्य हमें यह कदापि विस्मृत नहीं करना चाहिए कि लोकतंत्र बिना एक सशक्त और मुखर विपक्ष के नितांत अधूरा है। प्रदर्शन करना, अपनी असहमति प्रकट करना और विरोध दर्ज कराना विपक्ष का नैसर्गिक लोकतांत्रिक अधिकार है। परंतु विरोध और व्यवधान के बीच एक अत्यंत सूक्ष्म किंतु महत्वपूर्ण लक्ष्मण रेखा होती है।

बहस के लिए तत्पर रहे सरकार

जब लोकतांत्रिक विरोध, अनियंत्रित व्यवधान में परिवर्तित हो जाता है तो विपक्ष अनजाने में उसी सर्वोच्च मंच को नष्ट कर देता है जो उसे सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए प्रदान किया गया है। संसद में प्रश्नकाल और शून्यकाल जैसे बहुमूल्य प्रहर होते हैं, जब जन-प्रतिनिधि सीधे मंत्रियों से जवाब तलब कर सकते हैं। यदि सदन हंगामे की भेंट चढ़ जाता है तो विपक्ष सरकार का उत्तरदायित्व तय करने का अपना सबसे अचूक अस्त्र स्वयं ही त्याग देता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि सरकारें बहुमत से बनती हैं, किंतु राष्ट्र सर्वसम्मति से चलता है। सत्ता पक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूर्ण अवसर और सम्मान प्राप्त हो। यदि विपक्ष किसी विशेष और ज्वलंत मुद्दे पर विमर्श की मांग कर रहा है, तो सरकार को संसदीय नियमों की परिधि में उस पर खुली बहस के लिए तत्पर रहना चाहिए।

सदन में लगातार विरोध से विपक्ष की गिरती साख

व्यवधान

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में वहां की संसद को सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र में संसद का स्थान किसी भी धर्मस्थल से ऊपर माना गया है, क्योंकि संसद ही वह स्थान है जहां आम जनमानस की समस्याओं के निवारण के कानून बनते हैं। देश के प्रत्येक नागरिक को ध्यान में रखकर किसी भी विषय पर चर्चा-परिचर्चा होती है। उसके बाद जनप्रतिनिधियों के वोट के आधार पर कोई विधेयक कानून का रूप लेता है। जब से देश में संविधान लागू हुआ है यह प्रक्रिया अत्यंत सुदृढ़ तरीके से आगे बढ़ रही है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को विश्व की सबसे सुदृढ़ और पारदर्शी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से एक माना जाता है। आज, जब पूरी दुनिया हमारे लोकतंत्र को एक मानक मानकर अपने देश में लोकतांत्रिक सुधार कर रही है। तब हमारे देश के लोकतंत्र में कुछ अनावश्यक त्रुटियां जगह बना रही हैं। संसद का काम होता है जनप्रतिनिधियों के माध्यम से देश की जनता की नब्ज़ टटोलना, फिर उन समस्याओं के निवारण के लिए कानून बनाना। कानून बनाने की इस प्रक्रिया को एक सकारात्मक और आलोचनात्मक बहस से गुजरना आवश्यक है। अगर कोई कानून संसद में पर्याप्त बहस के बिना कानून का रूप ले लेगा तो वह कुछ लोगों को तो संतुष्ट कर सकता है, लेकिन देश के विकास की गति में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा सकता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका कई मायनों में सत्ता पक्ष से भी महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि सत्तापक्ष में बैठे लोग अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका नहीं निभाता तो सरकार निरंकुश हो जाती है। पिछले कई वर्षों से यह देखा गया है कि विपक्ष जो विरोध करता है, वह रचनात्मक न होकर नकारात्मक होता है। विरोध की अपनी कुछ मर्यादाएं होती हैं। तथ्यों और तर्क के आधार पर विरोध स्वीकार्य होता है। उसे सुना भी जाता है और उससे कुछ सकारात्मक व रचनात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है। वर्तमान समय में होने वाला विपक्ष का विरोध, विरोध कम और व्यवधान अधिक होता है। विपक्ष का सजग होना और मुखर होना दोनों आवश्यक हैं। विपक्ष का काम है आईना बनकर सरकार के समक्ष खड़े रहना। सरकार की कमियों को उजागर करना और अगर कुछ गलत हुआ है तो उसे जनता के बीच तक ले जाना। लेकिन यही विरोध जब अपनी मर्यादा लाँघकर अनियंत्रित होने लगे, अभद्रता और हठधर्मिता पर उतर आए तो इसका मतलब होता है कि विपक्ष अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असफल है। संसद शुरू होने से पहले ही सदन में बिना किसी उचित कारण के तख्तियां और बैनर लेकर कुर्सियों पर खड़े हो जाना, लगातार नारेबाजी करना, अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर शोर मचाना और इसी शोर शराबे के कारण संसद को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करा देना न तो संसद के पक्ष में होता है न ही विपक्ष के। इससे हर रोज जनता के टैक्स का लाखों रुपया बर्बाद होता है और बहुत से जनहित के विधेयक या तो लम्बे समय के लिए लटक जाते हैं या सरकार उन्हें बगैर किसी चर्चा के पास करा देती है जिसके कारण उन विधेयक में रचनात्मक सुधार की गुंजाइश समाप्त हो जाती है। इस प्रकार देश की जनता को मिलता है एक अधकचरा, अपरिपक्व कानून। जिसके दूरगामी परिणाम देश की जनता को झेलने पड़ते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के प्रावधानों को लेकर जनता में जाकर विरोध करना विपक्ष का कर्तव्य है। लेकिन देश की जनता यह भी पूछती है कि जब कानून बन रहा था उस वक्त विपक्ष कहाँ था। क्या संसद के गलियारे में खड़े होकर नारे लगा रहा था या कानून पर कोई रचनात्मक चर्चा कर रहा था। संसद का मंच सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए और सरकार से जवाब मांगने के लिए है। शून्यकाल और प्रश्नकाल के द्वारा जनप्रतिनिधि सीधे सरकार के मुखाइदों से जवाब मांग सकते हैं। जनता की मूलभूत समस्याएं जैसे महंगाई, बेरोजगारी, बिजली, पानी, सड़क, राशन होती हैं। इन समस्याओं पर सरकार से निरंतर प्रश्न करते रहना विपक्ष का मूल एजेंडा होना चाहिए। साथ ही राजमार्ग का निर्माण, रेल, नदी जल बंटवारा, राज्य सीमा विवाद, साम्प्रदायिक सौहार्द, विदेश नीति, दूसरे देशों के साथ संबंध, ये सभी किसी भी देश के लिए ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विपक्ष के सहयोग के बिना नहीं हो सकते हैं। इन विषयों पर चर्चा के समय अगर विपक्ष हंगामा करता है तो फिर जनता का विपक्ष के प्रति मोहभंग होना है। जनता भली-भांति समझती है कि विरोध तथ्यों और तर्कों के आधार पर है या सिर्फ हंगामा खड़ा करने के लिए है। निष्कर्ष यही है कि विपक्ष को अपनी राजनीति का प्रारूप बदलने पर विचार करना चाहिए। अगर विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो न कि सिर्फ हंगामे के लिए। विरोध के लिए पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह अपने तर्कों को और मजबूत करे, संसद में रचनात्मक बहस के द्वारा सरकार की नीतियों को और तर्कसंगत करे जो जनता के हित में है। इसलिए आवश्यक है कि संसद की कार्यवाही निर्बाध रूप से चलती रहे। यही देश हित में है।

> **विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो न कि सिर्फ हंगामे के लिए। पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।**

पक्ष व विपक्ष में बने व्यावहारिक संतुलन

मानसून सत्र

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय लोकतंत्र के मंदिर में जब भी नए सत्र की शुरुआत होती है, तो पूरे देश की निगाहें स्वाभाविक रूप से उस पर टिक जाती हैं। वर्तमान परिदृश्य में, संसद का यह सत्र केवल दैनिक कामकाज का गवाह बनने वाला नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की आधारशिला रखने वाले दो ऐतिहासिक विषयों-परिसीमन विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर निर्णायक चर्चा का केंद्र बनने जा रहा है। आज हर किसी के मन में यह सवाल है कि क्या सरकार इस मानसून सत्र में इन दोनों बड़े बदलावों को सफलतापूर्वक लागू कर पाएगी।

देश के चुनावी भूगोल को बदल देने वाले इन विधेयकों का भविष्य अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि सदन के भीतर सरकार की रणनीति और विपक्ष की असहमति के बीच कैसा व्यावहारिक संतुलन स्थापित होता है। यदि हम परिसीमन विधेयक को समझें, तो यह केवल भौगोलिक सीमाओं का बदलाव नहीं है, बल्कि बदलती जनसंख्या के आधार पर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अद्यतन करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके तहत लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 तक करने का अभूतपूर्व प्रस्ताव रखा गया है। इसका सबसे संवेदनशील पहलू जनसंख्या से जुड़ा है, जिससे विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में यह आशंका उत्पन्न हो गई है कि जनसंख्या नियंत्रण में उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण संसद में उनका प्रतिनिधित्व घट सकता है। हालांकि, गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि नए परिसीमन से किसी भी दक्षिणी राज्य को नुकसान नहीं होगा, बल्कि उनका आनुपातिक हिस्सा बरकरार रहेगा और कुल सीटों में भी वृद्धि होगी। इसके बावजूद, क्षेत्रीय दल इसे राज्यों के अधिकारों से जोड़कर देख रहे हैं, जिससे यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक नई राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि क्या सरकार इस सत्र में इस विधेयक को पारित करा सकेगी। इसे पास कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। लोकसभा में सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त संख्याबल है, लेकिन राज्यसभा के आंकड़े और सहयोगी दलों की अपेक्षाओं को साधना एक कठिन चुनौती है। हालांकि, सत्तारूढ़ दल की कार्यप्रणाली में चौंकाने वाले निर्णयों का एक लंबा इतिहास रहा है, इसलिए राजनीति के इस खेल में किसी भी संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

इसी सरगर्मी के बीच, इस सत्र का दूसरा बड़ा मुद्दा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दूरगामी संकल्पना है। पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने की ठोस वकालत की है। इसका तर्क है कि इससे हजारों करोड़ रुपये की भारी बचत होगी और बार-बार आचार संहिता लगने से विकास कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। वहीं, इसके विपरीत विपक्ष और कई विश्लेषकों का तर्क है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय मुद्दों की आंधी में स्थानीय समस्याएं पूरी तरह दब जाएंगी। उन्हें डर है कि मतदाता एक ही पार्टी के पक्ष में एकतरफा मतदान कर सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों का स्वतंत्र अस्तित्व और देश का संघीय ढांचा कमजोर हो सकता है। इन दोनों महत्वाकांक्षी विधेयकों की राह में केवल संसदीय गणित ही एकमात्र बाधा नहीं है, बल्कि संवैधानिक संशोधनों की वह जटिल प्रक्रिया भी है जिसमें राज्यों की प्रत्यक्ष भागीदारी अनिवार्य होती है। विशेष रूप से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संकल्पना को साकार करने के लिए संविधान के कई महत्वपूर्ण अनुच्छेदों में व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में, जहां कई प्रमुख राज्यों में विपक्षी दलों की मजबूत सरकारें आसीन हैं, वहां से इस विधेयक के पक्ष में समर्थन जुटाना केंद्र सरकार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा होगा। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सरकार अपने राजनीतिक कौशल से इस जटिल चक्रव्यूह को भेद पाती है या विपक्ष एकजुट होकर इन विधेयकों को फिलहाल रोकने में सफल रहता है। पूरे देश को प्रतीक्षा है कि पक्ष और विपक्ष राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर इन गंभीर विषयों पर परिपक्व विमर्श प्रस्तुत करेंगे।

यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है।

सांसदों के दैनिक भत्तों में करें कटौती

आर्थिकी

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं का प्रतीक है। पिछले कुछ दशकों में संसद के भीतर बढ़ते गतिरोध और घटती उत्पादकता ने करदाताओं की धनराशि के सदुपयोग और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। भारतीय संसद को चलाने में भारी जन-धन का व्यय होता है। हालिया बजटीय आकलनों और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, संसद के दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा को सुचारू रूप से चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख प्रति मिनट यानी 1.5 करोड़ प्रति घंटा आता है। इस हिसाब से एक दिन की सामान्य कार्यवाही का खर्च करीब 9 करोड़ तक पहुंच जाता है। इस खर्च में सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा, सचिवालय का स्टाफ, मुद्रण और सत्र के दौरान होने वाले अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। जब सदन में व्यवधान के कारण कार्यवाही स्थगित होती है तो यह पूरा पैसा बिना किसी विधायी परिणाम के व्यर्थ हो जाता है।

क्या संसद न चलने पर सांसदों का भत्ता काटा जाना चाहिए? यह मुद्दा भारतीय लोकतंत्र में ज्वलंत बहस बन चुका है। इसके दो मुख्य पहलू हैं। सकारात्मक पक्ष (भत्ता काटे जाने के) यह है कि कॉरपोरेट या किसी भी संगठित क्षेत्र में 'नो वर्क, नो पे' का नियम लागू होता है। जनता का तर्क है कि जब करदाताओं की गाढ़ी कमाई से सांसदों को प्रतिदिन 'सदन उपस्थिति भत्ता' और अन्य सुविधाएं मिलती हैं तो बिना काम किए इसे प्राप्त करना नैतिक रूप से गलत है। व्यवधान के दिनों का भत्ता काटने से सांसदों में जवाबदेही बढ़ेगी। नकारात्मक पक्ष यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना भी एक वैध उपकरण माना जाता है। कई बार विपक्ष को अपनी बात रखने का समय नहीं मिलता, जिससे मजबूरन वे सदन के बीचों-बीच वेल में आकर प्रदर्शन करते हैं। सांसद का काम केवल संसद में बैठना नहीं होता, वे समितियों में काम करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं का निवारण भी करते हैं। जब बजट या महत्वपूर्ण कानून बिना किसी बहस के 'गिलोटीन' (बिना चर्चा के पास करना) के जरिए पारित हो जाते हैं तो यह न केवल वित्तीय नुकसान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी हनन है। 2024 के आम चुनावों के बाद गठित 18वीं लोक सभा में विपक्ष ने पहले की तुलना में अपनी आवाज़ मजबूत की है। इसके प्रारंभिक और बजट सत्रों (2024) में लोक सभा और राज्य सभा क्रमशः 22 और 20 दिनों तक चलीं। हालांकि 2026 के बजट सत्र में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक के कारण लगभग 20-25 घंटे व्यवधान की भेंट चढ़ गए, जिससे टैक्सपेयर मनी का नुकसान हुआ। नीट परीक्षा विवाद, विभिन्न केंद्रीय मुद्दों पर विपक्ष के तीखे तेवर, हिंडनबर्ग रिपोर्ट और सेना के पूर्व जनरलों की किताबों के अंशों पर सदन में चर्चा को लेकर हुए विवादों ने सदन को बार-बार बाधित किया। भारतीय संसद के इतिहास को देखें तो पहली तीन लोक सभाओं (1952-1967) में वार्षिक बैठकों का औसत 120-130 दिन होता था, जो अब घटकर औसतन 60-70 दिन रह गया है। संसद में होने वाले व्यवधान महज तात्कालिक राजनीतिक विवाद नहीं होते बल्कि इनके पीछे कुछ गहरे संस्थागत और सियासी कारण होते हैं। विपक्ष का अकसर यह आरोप रहता है कि सरकार महत्वपूर्ण और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा से बचती है। करदाताओं का पैसा देश के निर्माण के लिए है न कि राजनीतिक गतिरोध की बलिवेदी पर चढ़ने के लिए। संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। न्यूनतम कार्य दिवस तय करना इस दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।

हर महत्वपूर्ण विधेयक को संसद में पारित होने से पहले अनिवार्य रूप से विभाग-संबंधित स्थायी समितियों के पास भेजा जाना चाहिए ताकि उन पर विशेषज्ञता के साथ चर्चा हो सके। संसद की गरिमा, सर्वोच्चता और उत्पादकता तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे और विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुने।

संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।

अमेरिका ने किया लगातार सातवीं रात ईरान पर हमला

होर्मुज के माइनफील्ड में घुसे 2 ऑयल टैंकर, भीषण धमाके के बाद लगी आग

एजेंसी ▶▶| दुबई

मिडिल ईस्ट से इस वक्त अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को हिला देने वाली खबर सामने आ रही है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने शनिवार को दावा किया है कि दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी हिस्से में एक माइनफील्ड में प्रवेश करने के बाद दो बड़े तेल टैंकरों में भीषण धमाके हुए और वे आग की लपटों में घिर गए।

ईरान के सरकारी मीडिया द्वारा प्रसारित इस खबर के बाद वैश्विक तेल बाजार और रणनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। आईआरजीसी नेवी ने इस घटना के तुरंत बाद चेतावनी जारी करते हुए इस बेहद महत्वपूर्ण जलमार्ग को पूरी तरह असुरक्षित घोषित कर दिया है और इसे व्यावहारिक रूप से बंद करने का ऐलान कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिये से चिंताजनक खबर, कई देशों ने जताई चिंता

आईआरजीसी ने इस बेहद महत्वपूर्ण जलमार्ग को घोषित किया असुरक्षित

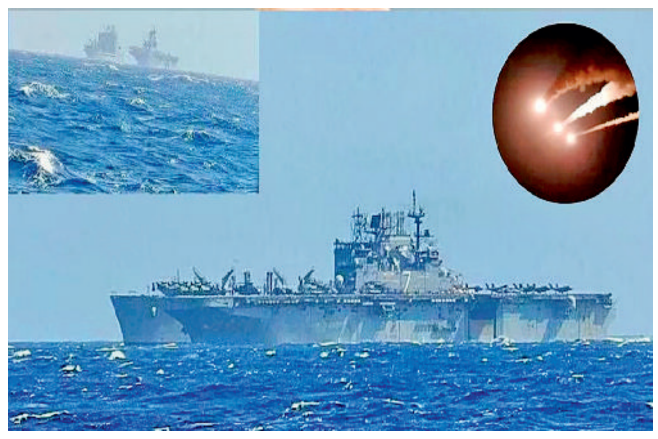

अमेरिकी इंटेलिजेंस ने जहाजों को किया गुमराह

ईरानी सेना ने इस पूरी घटना का ठीकरा सीधे तौर पर अमेरिका पर फोड़ा है। आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की धोखाधड़ी और उकसावे के कारण दोनों ऑयल टैंकरों ने दक्षिणी होर्मुज स्ट्रेट में बिछाई गई बारूदी सुरंगों के रास्ते से गुजरने की कोशिश की। जहाजों ने माइन वाले संवेदनशील क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले ईरानी नौसेना की ओर से दी गई कड़े इनपुट और चेतावनियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया, जिसका नतीजा इस भयानक विस्फोट और आग के रूप में सामने आया है। हालांकि, ईरानी मीडिया और सेना के इन दावों की अभी तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय समुद्री प्राधिकरण या उन देशों द्वारा स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है, जिनके ये जहाज थे।

अब तेल या गैस की एक बूंद भी नहीं निकलने देंगे

ये घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव अपने चरम पर पहुंच चुका है। आईआरजीसी ने बेहद कड़े शब्दों में अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि जब तक ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना के ऑपरेशन और अपराध पूरी तरह खत्म नहीं हो जाते, तब तक होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से सील रहेगा।

यूएस अटैक में अब तक 38 की मौत

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंकड़ा जारी करते हुए बताया कि देश के कई प्रांतों में अमेरिकी सेना द्वारा किए गए ताबड़तोड़ हमलों में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 400 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, अमेरिका के ताजा हमले में 3 और लोगों की मौत हो गई है।

जॉर्डन पर हमले में कई अमेरिकी सैनिक जख्मी

अमेरिका और ईरान ने शुक्रवार रात एक-दूसरे के बुनियादी ढांचे और सैन्य ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार तड़के बताया कि लगातार सातवीं रात किए गए हमलों में निगरानी साइट, मिलिट्री लॉजिस्टिक, अंडरग्राउंड आर्म्स स्टोरेज फैसिलिटी को निशाना बनाया गया। हालांकि ईरान के जवाबी हमले में कई अमेरिकी सैनिक जख्मी हुए हैं। इस हफ़्ते ईरान ने जॉर्डन में कम से कम दो सैन्य ठिकानों पर हमला किया जिसमें कई अमेरिकी सैनिक घायल हो गए।

बहरीन, कुवैत और सीरिया पर दागीं मिसाइलें

जहां एक तरफ वाशिंगटन का दावा है कि उनके इस ऑपरेशन का मकसद केवल ईरानी सैन्य क्षमताओं, एयर डिफेंस साइट्स और कोस्टल सर्विलांस सिस्टम को कमजोर करना था, वहीं इस भीषण तबाही के बाद ईरान ने भी अमेरिका के खिलाफ ओपन वॉर का ऐलान कर दिया है। ईरानी सेना ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भीषण जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान के मुताबिक, बहरीन, कुवैत, सीरिया और ओमान में स्थित अमेरिकी मिलिट्री बेस को निशाना बनाकर मिसाइलें दागी गई हैं।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला

गमछे से मुंह छिपाता रहा टिन्नू, जेल से भतीजे मनीष के साथ ले गई पुलिस

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा घोटाला मामले में आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और उसके भतीजे मनीष यादव की 39 घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड शनिवार सुबह 8:40 बजे शुरू हो गई।

पुलिस दोनों को जिला कारागार से पुलिस लाइन स्थित अस्पताल ले आई, जहां मेडिकल परीक्षण के बाद एसओजी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टिन्नू यादव मीडिया और लोगों से बचने के लिए पूरे समय गमछे से अपना चेहरा ढके रहा। पुलिस दोनों को उन संदिग्ध स्थानों पर ले जा सकती है, जहां कथित रूप से चढ़ावे की रकम का बंटवारा होता था।

39 घंटे की पुलिस रिमांड पर लिए गए आरोपी

एसआईटी की रिपोर्ट

एसआईटी की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि टिन्नू यादव के पास मंदिर की दानपेटिका (हुंडी) की चाबी रहती थी। इसी आधार पर पुलिस को उम्मीद है कि इस रिमांड के दौरान चढ़ावे की रकम के गबन, उसके बंटवारे, निवेश और पूरे नेटवर्क से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं। जांच एजेंसियां इस मामले में जुटे अन्य संभावित लोगों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही हैं।

कई अहम साक्ष्य हाथ लगे

इससे पहले तीन चरणों की कस्टडी रिमांड के दौरान छह आरोपियों से पूछताछ में कई अहम साक्ष्य हाथ लगे थे। जांच एजेंसियों ने दस्तावेज, आभूषण और दो चारपहिया वाहन भी बरामद किए हैं। अब मुख्य आरोपी टिन्नू यादव और मनीष यादव से पूछताछ को जांच का सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है।

रिमांड से कई महत्वपूर्ण खुलासे की उम्मीद

रियल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन से जुड़े निवेश, घर, हॉस्टल तथा अन्य ठिकानों की भी जांच की जा सकती है। पुलिस नकदी, आभूषण और अहम दस्तावेजों की बरामदगी का प्रयास करेगी। इससे पहले तीन चरणों में छह आरोपियों से पूछताछ के दौरान दस्तावेज, आभूषण और दो चारपहिया वाहन बरामद किए जा चुके हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार एसआईटी रिपोर्ट में टिन्नू यादव के पास दानपेटिका (हुंडी) की चाबी होने का भी उल्लेख है। ऐसे में इस रिमांड से मामले में कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है।

भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एलओसी पर पहली बार हुई ताबड़तोड़ फायरिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने पहली बार एलओसी पर भारी गोलीबारी की, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है।

शुक्रवार रात करीब 11 बजे जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के तरकुंडी सेक्टर में एलओसी पर सीमा पार से फायरिंग हुई। गोलीबारी होते ही भारतीय सेना के जवानों ने जवाबी फायरिंग की। पहले भारतीय सेना ने पाक सेना की हरकत को उकसावे की कार्रवाई समझा. लेकिन जब भारी गोलीबारी होने लगी तो भारतीय सेना ने भी पलटवार करते हुए फायरिंग की। इसके बाद देररात रुक-रुक कर पाक सेना गोलीबारी करती रही, भारत जवाब देता रहा।

हाई अलर्ट, सर्च ऑपरेशन शुरू

बता दें कि शनिवार सुबह सेना के जवानों ने तारकुंडी और उसके आस-पास के इलाकों की घेराबंदी की। साथ ही सर्च ऑपरेशन चलाकर कोना-कोना खंगाला, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रात के अंधेरे में और गोलीबारी का फायदा उठाकर किसी तरह घुसपैठ तो भारत में नहीं हुई, पूरे राजौरी और एलओसी के आस-पास वाले इलाके में जवानों की बड़ी टुकड़ी तैनात कर दी गई है। एलओसी पर गश्त और टाइट करने के आदेश दिए हैं।

पीओके के हालातों से ध्यान भटकाने का प्रयास

भारतीय सैन्य अधिकारियों के अनुसार, आजकल पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में तनाव है पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरे हुए हैं पूरी दुनिया की नजर पीओके के हालातों पर है, लेकिन मुद्दे से दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए भारतीय सीमा पर फायरिंग जैसी नापाक हरकतें कर रहा है। भारतीय सेना बॉर्ड पर हालातों पर नजर रखे हुए है। क्योंकि सीमा पर फायरिंग की आड़ में आतंकी भारत में घुसपैठ कर चुके हैं। देश में बड़ी आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। इसी आशंका के चलते एलओसी पर गश्ती और चौकसी बढ़ा दी गई है।

ट्रायल में देरी से 9 साल से जेल में बंद हत्या के आरोपी को जमानत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के एक आरोपी को 9 साल से अधिक समय तक विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में रहने और ट्रायल में लगातार हो रही देरी को देखते हुए जमानत दे दी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी आरोपी के जेल में रहने की स्थिति में ट्रायल का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करना अदालत और अभियोजन, दोनों की जिम्मेदारी है। मामले में हो रही अत्यधिक देरी ने हमारी न्यायिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए लियाकत अली को जमानत प्रदान की। दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 382, 201 और धारा 34 के तहत दर्ज मामले में नौ वर्ष दो माह से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में था। अदालत ने कहा कि वर्ष 2024 में आरोपी की पिछली जमानत याचिका पर अंतिम निर्णय हो जाने के बाद भी मुकदमे की सुनवाई में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 'ट्रायल में देरी ने न्यायिक अंतरात्मा को झकझोर दिया

राज्य सरकार का तर्क

पीठ ने टिप्पणी की कि ट्रायल में लगातार हो रही देरी और लंबे समय तक कारावास ने हमारी न्यायिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने तर्क दिया कि आरोपी नई जमानत याचिका सक्षम अदालत में दाखिल कर सकता था और अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट आने की आवश्यकता नहीं थी। हालांकि, अदालत ने कहा कि इस मामले के असाधारण तथ्य संवैधानिक हस्तक्षेप की मांग करते हैं। अदालत ने आपराधिक न्यायशास्त्र के स्थापित सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए दोहराया कि निर्दोषता की धारणा और 'जमानत नियम है, जेल अपवाद' के सिद्धांत को हमेशा ध्यान में रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए लियाकत अली को ट्रायल कोर्ट द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया।

1.5 लाख भारतीय ट्रक ड्राइवरों की नौकरी पर महासंकट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका की ट्रंप सरकार भारतीयों को बहुत बड़ा झटका देने वाली है। क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टीम के साथ मिलकर एक प्रस्ताव पेश किया है, जिससे अमेरिका में काम कर रहे 1.5 लाख भारतीय ट्रक ड्राइवरों विशेषकर पंजाबियों की नौकरी पर संकट मंडरा गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इन अप्रवासी ट्रक ड्राइवरों को हटाकर उनकी जगह अमेरिका के पूर्व सैनिकों को नौकरी देने का प्रस्ताव पेश किया है, जिसका सीधा असर लाखों भारतीय प्रवासियों पर पड़ सकता है।

2 लाख अप्रवासियों के लाइसेंस हुए हैं रद्द

बता दें कि ट्रंप प्रशासन मार्च 2026 में लागू हुए नए नियमों के तहत करीब 2 लाख अप्रवासी ड्राइवरों के कमर्शियल लाइसेंस को रद्द कर चुकी है। क्योंकि अमेरिका के नागरिकों ने ट्रक ड्राइविंग से दूरी बनाई थी, इस वजह से पिछले कुछ सालों में वैध और अवैध दोनों तरह के प्रवासियों ने ट्रक ड्राइविंग करके मोटा पैसा कमाया। भारतीय समुदाय, खासकर सिख और पंजाबी ड्राइवरों को नई स्कीम से झटका लगेगा, क्योंकि नॉर्थ अमेरिकन पंजाबी ट्रकर्स एसोसिएशन (नाप्ता) के अनुसार, वर्तमान में अमेरिका में करीब 1.3- 1.5 लाख ट्रक ड्राइवर हैं, जो पंजाब और हरियाणा के रहने वाले हैं।

नशे में ड्राइविंग करते हैं अप्रवासी ड्राइवर

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, देश की सड़कों पर दौड़ने वाले ट्रकों को अब अप्रवासी ड्राइवर नहीं चलाएंगे, बल्कि रिटायर्ड सैनिकों को बतौर ट्रक ड्राइवर नियुक्त किया जाएगा। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि अप्रवासी ट्रक ड्राइवर नशे में ड्राइविंग करते हैं, जिस वजह से सड़कों पर हादसे होते हैं और कई लोगों की जान चली जाती है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया में आयोजित मिलिट्री इन्वेस्टमेंट समिट में बताया कि गैर-कानूनी और बिना दस्तावेजों के बड़े ट्रक चलाने वाले ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड
मिलकर रोने से-दुःख हो जाए कम

कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दुःखों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दुःखद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दुःख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

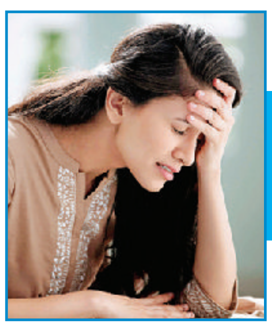

काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। *

लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दुःख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

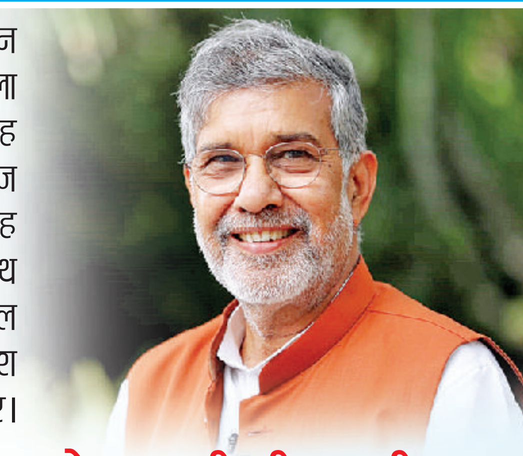

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्व: आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चे: यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणाली: जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधान: आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटान: भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। *

प्रस्तुति: सरस्वती रमेश

लघुकथाएं

यादों का बैंक

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला-पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। *

-कृति आरके जैन

श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। *

– संजीव ठाकुर

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। *

किताब: चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखक:** गोविंद सेन, **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

चीफ जस्टिस सिन्हा ने किया विशेष लोक अदालत का वर्चुअल शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶बिलासपुर

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक और चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने दंतेवाड़ा से परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 की धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के निराकरण हेतु राज्य के सभी 23 जिलों में विशेष लोक अदालत की कार्रवाई का वर्चुअल शुभारंभ किया।

राज्य के सभी न्यायाधीशों को संबोधित करते हुए चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने विशेष लोक अदालत के मूल उद्देश्य, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के सौहार्दपूर्ण समाधान पर विशेष बल देते हुए कहा कि इस अधिनियम के अंतर्गत अपराध समझौते योग्य है। ऐसे प्रकरणों का आपसी सहमति से त्वरित निराकरण संभव है, जिससे विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। राज्यव्यापी विशेष अभियान के अंतर्गत कुल 9641 प्रकरणों की पहचान की गई है। न्यायिक अधिकारियों के मामलों के निपटारे के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने, अधिक से अधिक मामलों के समाधान के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उल्लेख किया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा 21 से 23 अगस्त तक समाधान समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी सहमति के आधार पर निराकरण करना है। उन्होंने सभी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों तथा संबंधित हितधारकों से इस राष्ट्रीय पहल को सफल बनाने हेतु अधिक से अधिक प्रकरणों के समझौतापूर्ण निस्तारण के लिए सक्रिय सहयोग प्रदान करने आग्रह किया। समारोह के उपरांत चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने दंतेवाड़ा के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उच्च न्यायालय तथा राज्य के समस्त 23 जिलों से प्राप्त अंतिम आंकड़ों के अनुसार 9641 चेक अनादरण प्रकरणों में से 1996 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया 57, 01, 35, 387 रुपए की राशि का सेटलमेंट किया गया।

अप्रैल से जून तक बिके डेढ़ लाख वाहन

रायपुर। मानसून के कारण ज्यादातर सेक्टर में मंदी का दौर चल रहा है। इसी के साथ महंगाई का भी बड़ा असर होने के कारण हर सेक्टर में धंधा अब मंदा हो गया है। यही कारण है कि आटोमोबाइल सेक्टर में नए सत्र की पहली तिमाही में वाहन बिक्री रफ्तार धीमी रही है। अब तो मानसून में धंधा और मंदा रहने वाला है। अब त्योहारी सीजन में गणेश चतुर्थी से ही वाहन बिक्री की रफ्तार में तेजी आएगी।

नए सत्र के अप्रैल से लेकर जून तक की पहली तिमाही में वाहनों की बिक्री की रफ्तार धीमी रही है। इसके पीछे का बड़ा कारण अमेरिका, इजरायल और ईरान का युद्ध है। तेल संकट को देखते हुए वाहनों की बिक्री प्रभावित हुई है। तीन माह में प्रदेश में एक लाख 53 हजार 381 वाहन बिके हैं। यह बीते सत्र से दो फीसदी कम हैं। वैसे मई की तुलना में जून में बिक्री की रफ्तार में इजाफा हुआ है। इस बार जून में करीब 54 हजार वाहन बिके है जो मई से करीब साढ़े तीन हजार ज्यादा है।अपने राज्य छत्तीसगढ़ में साल दर साल वाहनों की बिक्री में इजाफा हो रहा है। पहले यहां पर साल में पांच से छह लाख बिकते थे, लेकिन अब इसका रफ्तार लगातार बढ़ते जा रही है। अब तो वाहनों की बिक्री सात लाख के पार हो गई है।

नीट-यूजी 2026: एलन का शानदार प्रदर्शन

कोटा। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 के घोषित परिणामों में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। संस्थान के अनुसार, इस वर्ष के परिणामों में एलन के 5 विद्यार्थियों ने टॉप-10, 10 ने टॉप-20, 23 ने टॉप-50 तथा 46 विद्यार्थियों ने टॉप-100 में स्थान बनाया है। इसके अलावा, 690 या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले टॉप-138 अभ्यर्थियों में एलन के 63 विद्यार्थी शामिल हैं। जारी परिणामों के अनुसार आर्यन गुप्ता और पंशुल बंसल ने 720 में से 715 अंक प्राप्त किए हैं। टाई-ब्रेकर नियम के आधार पर आर्यन गुप्ता को ऑल इंडिया रैंक (एआईआर)-1 तथा पंशुल बंसल को एआईआर-2 घोषित किया गया है।

इसके अलावा, एलन के क्लासरूम छात्र आयुष भालोटिया ने 710 अंक प्राप्त कर एआईआर-4 हासिल की।

वहीं, एलन ऑनलाइन टेस्ट सीरीज के छात्र आर्यन दुबे ने एआईआर-7 तथा क्लासरूम छात्र गौरव सिंह ने एआईआर-9 प्राप्त की। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने कहा कि संस्थान ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता और परिणामों की श्रेष्ठता सिद्ध की है।

सिंचाई विभाग के निविदा प्रकोष्ठ मुख्य अभियंता सहित तीन को नोटिस

रायपुर। राज्य शासन ने सिंचाई विभाग के निविदा प्रकोष्ठ के मुख्य अभियंता केएस गुरुवर, कार्यपालन अभियंता अरविंद कुमार कोशले, वित्त नियंत्रक रूद्र प्रताप सिंह चौहान और वरिष्ठ लेखाधिकारी बालेंद शेखर मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह आदेश विभाग के उप सचिव की ओर से जारी किया गया है।

बताया गया है कि उच्च न्यायालय द्वारा लोअर डोडकी डायवर्जन स्कीम की नहर की मरम्मत एवं लाइनिंग कार्य एमएस आर्या कंस्ट्रक्शन कंपनी को तकनीकी रूप से अर्ह घोषित कर 18 मार्च को खोले गए वित्तीय बिड की कार्यवाही को मनमानी, असंगत एवं अनुच्छेद 14 के विपरीत पाया गया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को एक लाख रुपये का मुआवजा भुगतान करने आदेशित किया है।

कोर्ट की सख्ती के बाद राज्य शासन ने नोटिस जारी कर कहा है कि इस स्थिति में प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि निविदा प्रकोष्ठ द्वारा तथ्यों की अनदेखी कर, पदीय दायित्वों एवं नियमों के विपरीत लापरवाही पूर्वक कार्यवाही की गयी है। अतः आप इस कारण बताओ सूचना पत्र प्राप्ति के 5 दिवस के भीतर स्पष्ट करें। साथ ही इस मुआवजे की राशि आपके वेतन से वसूल की जाए? निर्धारित समय में जवाब प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की जावेगी।

दूसरी पत्नी को भी मिलेगा परिवार पेंशन का लाभ- हाईकोर्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि, विशेष परिस्थितियों में मृत शासकीय कर्मचारी की दूसरी पत्नी भी पहली पत्नी की मृत्यु के बाद परिवार पेंशन प्राप्त करने की अधिकारी हो सकती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि परिवार पेंशन संबंधी मामलों में पेंशन नियमों की कल्याणकारी भावना को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह मामला स्वर्गीय मनोकांत पाण्डेय की दूसरी पत्नी श्रीमती अन्नपूर्णा पाण्डेय से संबंधित था। कृषि अनुसंधान केंद्र जगदलपुर में कार्यरत कर्मचारी मनोकांत की मृत्यु वर्ष 2007 में हो गई थी। मृत्यु के बाद हुए समझौते के अनुसार पहली पत्नी श्रीमती पुष्पलता उपाध्याय को परिवार पेंशन तथा दूसरी पत्नी को भविष्य निधि की राशि और अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया गया था। वर्ष 2020 में पहली पत्नी के निधन के बाद श्रीमती अन्नपूर्णा पाण्डेय ने परिवार पेंशन के लिए आवेदन किया, जिसे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर ने 4 सितंबर 2021 को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि, दूसरी पत्नी का विवाह पहली पत्नी के जीवित रहते हुए हुआ था, इसलिए वह परिवार पेंशन की पात्र नहीं हैं।

- पहली पत्नी का हो चुका है निधन

व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए

याचिकाकर्ता ने अधिवक्ता सुश्री दीपाली पांडे के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि,पहली पत्नी की मृत्यु के बाद वह मृत कर्मचारी की एकमात्र जीवित आश्रित पत्नी हैं। साथ ही उन्हें अनुकंपा नियुक्ति भी दी गई थी, जिससे उनके पारिवारिक संबंध को स्वयं नियोक्ता ने स्वीकार किया था। मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति बिभू दत्ता गुरु की एकलपीठ ने कहा कि, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1976 के नियम 47(7) में एक से अधिक विधवाओं की स्थिति का उल्लेख है और यह एक कल्याणकारी प्रावधान है, जिसकी व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए। कोर्ट ने माना कि पहली पत्नी की मृत्यु के बाद परिवार पेंशन का कोई अन्य दावेदार शेष नहीं था। ऐसे में दूसरी पत्नी को परिवार पेंशन से वंचित करना योजना के उद्देश्य के विपरीत होगा। उच्च न्यायालय ने कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गत 4 सितंबर 2021 को पारित अस्वीकृति आदेश को निरस्त करते हुए प्रतिवादियों को निर्देश दिया कि, वे श्रीमती अन्नपूर्णा पाण्डेय के पक्ष में परिवार पेंशन स्वीकृत करें तथा सभी परिणामी लाभ 12 सप्ताह के भीतर प्रदान करें।

परिवार का एक भी सदस्य सरकारी नौकरी में तो नहीं मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित एक मामले में स्पष्ट किया है कि यदि मृतक सरकारी सेवक के परिवार का कोई सदस्य पहले से सरकारी सेवा में है, तो अन्य सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती। अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में यह जांच नहीं की जा सकती कि सरकारी नौकरी में कार्यरत सदस्य परिवार को आर्थिक सहायता दे रहा है या अलग रह रहा है।

जस्टिस राकेश मोहन पांडे की एकल पीठ ने कृषि विकास अधिकारी के पुत्र द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग की नीति और हाईकोर्ट की 'फुल बेंच' द्वारा निर्धारित कानूनी सिद्धांतों को सही ठहराया है। दुर्ग निवासी वीरमणि सोनवानी के पिता थान सिंह सोनवानी कृषि विभाग में कार्यरत थे और 19 अक्टूबर 2016 को निधन हो गया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, जिसे विभाग ने 7 मार्च 2020 को खारिज कर दिया, क्योंकि याचिकाकर्ता का भाई पहले से सरकारी नौकरी में था। याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में दोबारा याचिका दायर की, जिसमें निर्भरता की जांच के निर्देश दिए गए। हालांकि, विभाग ने 12 अगस्त 2021 को आवेदन को फिर से निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि भाई अलग रहता है और परिवार को कोई सहायता नहीं देता। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुकंपा नियुक्ति नीति के नियमों के तहत ही दी जा सकती है। जब नीति में स्पष्ट रूप से यह प्रतिबंध है, तो कोर्ट आर्थिक सहायता न मिलने की जांच का आदेश नहीं दे सकता।

कांग्रेस का स्मार्ट मीटर बदलो अभियान प्रारंभ, उपभोक्ताओं से भरवाए फार्म

रायपुर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा घरेलू बिजली उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती शिकायतों और स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद अत्यधिक बिजली बिल की समस्या को लेकर जन अभियान की शुरुआत की गई। शनिवार को बरसते पानी में यह अभियान शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड स्थित लाखेनगर चौक बिजली कार्यालय के सामने से प्रारंभ किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर बदलने एवं बिजली बिलों की जांच की मांग से संबंधित आवेदन पत्र वितरित किए ।

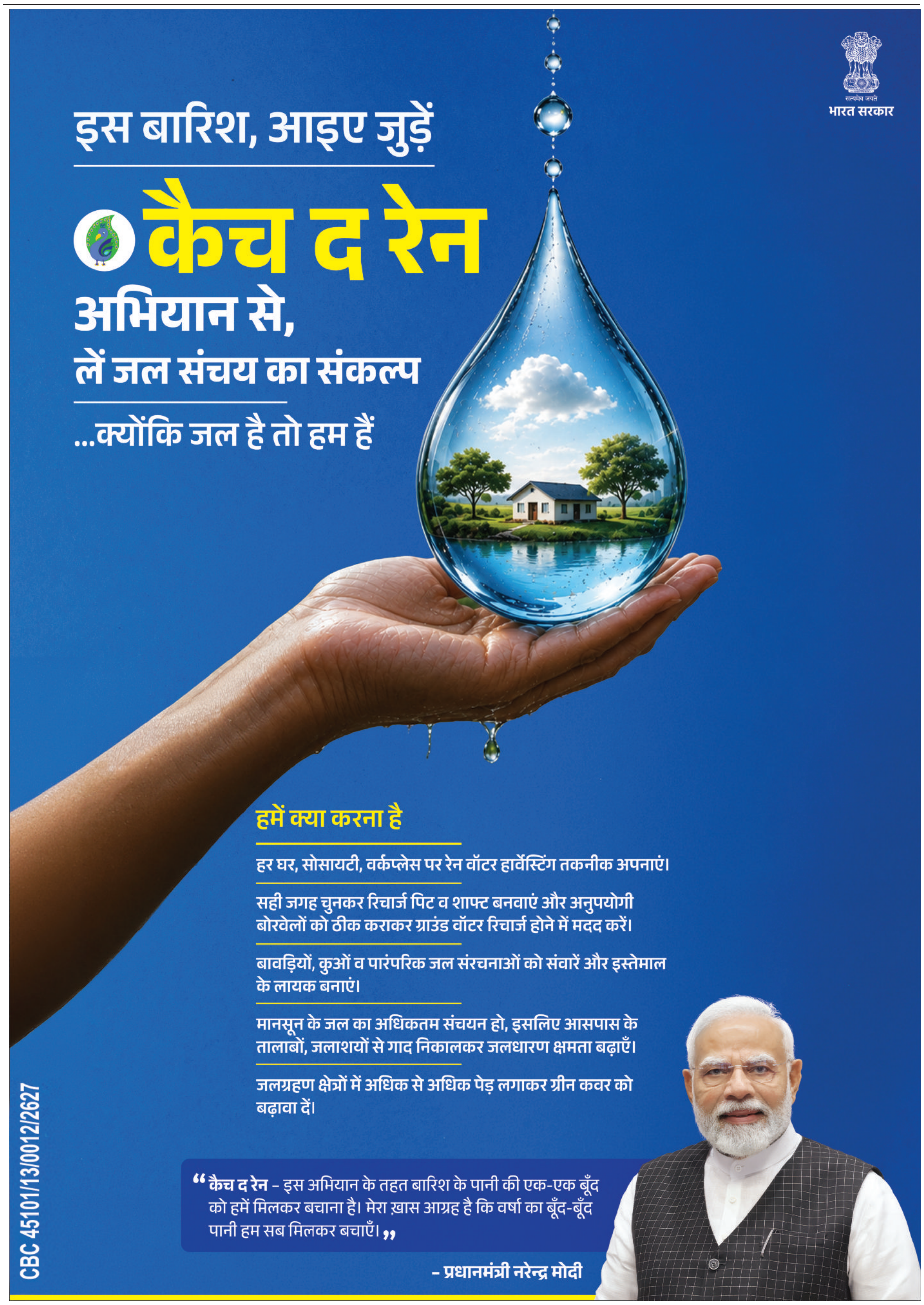

मिड या स्मॉल-कैप फंड: 10 साल में किसने दिखाया दम

दोनों श्रेणियों ने दिया शानदार रिटर्न, लेकिन जोखिम और उतार-चढ़ाव में मिड-कैप

दोनों का निफ्टी-50 से बेहतर रहा प्रदर्शन

- सिर्फ ज्यादा रिटर्न पर न करें फैसला, पहले जोखिम व वोलैटिलिटी भी समझें
- स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पीछे छोड़ा, मिड-कैप कम जोखिम संग बेहतर
- विशेषज्ञ बोले, गिरावट से घबराने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो अपनाएं
- दोनों फंडों में संपत्ति बनाने की क्षमता, लेकिन क्षमता के अनुसार करें फैसला
- विविधीकरण और लंबी अवधि बेहतर रिटर्न दिलाने की सबसे कारगर रणनीति

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि लंबी अवधि के लिए मिड-कैप फंड चुनें या स्मॉल-कैप फंड। दोनों श्रेणियों ने पिछले एक दशक में शानदार रिटर्न दिए हैं और निवेशकों की संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हालांकि, सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश का फैसला करना सही नहीं होता। किसी भी निवेश विकल्प का चयन करते समय उसके जोखिम, उतार-चढ़ाव, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य को भी ध्यान में रखना जरूरी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 वर्षों में मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने लंबी अवधि के निवेशकों को आकर्षक रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड का औसत 10 वर्षीय वार्षिक रिटर्न (सीएजीआर) 16.69 प्रतिशत रहा, वहीं मिड-कैप फंड ने 16 प्रतिशत का औसत रिटर्न दिया। यानी दोनों के बीच रिटर्न का अंतर बहुत अधिक नहीं है, लेकिन जोखिम और प्रदर्शन के तरीके में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है।

स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पछाड़ा

आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 250 स्मॉलकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। दूसरी ओर, मिड-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 150 मिडकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से थोड़ा पीछे रहे। इससे यह संकेत मिलता है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजरों ने बेहतर स्टॉक चयन के जरिए अतिरिक्त रिटर्न (अल्फा) बनाने में सफलता हासिल की। 10 वर्षों के प्रदर्शन में निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट, क्वांट स्मॉल कैप, एक्सिस स्मॉल कैप और एसबीआई स्मॉल कैप जैसे फंड शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल रहे। वहीं मिड-कैप श्रेणी में इनवेस्को इंडिया मिड कैप, एडलवाइस मिड कैप, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ और कोटक मिडकैप फंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

रिटर्न के साथ जोखिम भी समझें

अक्सर निवेशक केवल अधिक रिटर्न देखकर निवेश कर देते हैं, जबकि वास्तविक तस्वीर जोखिम के आंकड़ों से सामने आती है। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड का स्टैंडर्ड डिविएशन 20.33 प्रतिशत रहा, जबकि मिड-कैप फंड का यह आंकड़ा 17.88 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि स्मॉल-कैप फंड में कीमतों का उतार-चढ़ाव ज्यादा रहा और इनमें निवेश करने वालों को अधिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा। इसी तरह जोखिम के मुकाबले मिलने वाले रिटर्न को मापने वाले शार्प रेशियो में भी मिड-कैप फंड आगे रहे। मिड-कैप फंड का शार्प रेशियो 0.79 रहा, जबकि स्मॉल-कैप फंड का 0.69। इसका अर्थ है कि मिड-कैप फंड ने अपेक्षाकृत कम जोखिम लेकर बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न दिया। हालांकि दोनों श्रेणियों का सॉर्टिनो रेशियो समान रहा, जिससे स्पष्ट होता है कि डाउनसाइड जोखिम को ध्यान में रखने पर दोनों का प्रदर्शन लगभग बराबर रहा।

लंबी अवधि के निवेशकों को मिला फायदा : विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले 10 वर्षों की सबसे बड़ी सीख यही है कि जिन्होंने बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश नहीं निकाला और लंबे समय तक निवेश बनाए रखा, उन्हें दोनों श्रेणियों में शानदार रिटर्न मिला। बाजार में गिरावट हर चक्र का सामान्य हिस्सा है और इसे निवेश यात्रा का स्वाभाविक चरण माना जाना चाहिए। मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड को केवल अधिक उतार-चढ़ाव के कारण नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंबी अवधि में दोनों श्रेणियों ने निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन किया है और निवेशकों के लिए अच्छी संपत्ति बनाने की क्षमता दिखाई है।

विविधीकरण सबसे बेहतर रणनीति

विशेषज्ञों का कहना है कि पूरे निवेश को केवल स्मॉल-कैप या केवल मिड-कैप में लगाना समझदारी नहीं है। बेहतर रणनीति यह है कि निवेशकों का पोर्टफोलियो सभी मार्केट कैप में संतुलित रूप से विभाजित हो। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक के 10 लाख रुपये पूरी तरह स्मॉल-कैप फंड में लगे हों और बाजार में गिरावट आए, तो पूरे पोर्टफोलियो पर उसका असर पड़ेगा। जबकि यदि पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत लार्ज-कैप, 23 प्रतिशत मिड-कैप और 22 प्रतिशत स्मॉल-कैप का संतुलित निवेश हो, तो बाजार की गिरावट का प्रभाव काफी कम हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार हमेशा विविधीकरण को सफल निवेश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति मानते हैं।

किस निवेशक के लिए कौन सा फंड?

यदि आपकी निवेश अवधि 7 से 10 वर्ष या उससे अधिक है और आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, तो स्मॉल-कैप फंड आपके पोर्टफोलियो में बेहतर वृद्धि की संभावना जोड़ सकते हैं। वहीं यदि आप अच्छा रिटर्न चाहते हैं लेकिन अपेक्षाकृत कम जोखिम लेना पसंद करते हैं, तो मिड-कैप फंड अधिक उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं। पहली बार निवेश करने वालों के लिए भी सलाह दी जाती है कि वे सीधे स्मॉल-कैप में बड़ी राशि लगाने के बजाय लार्ज-कैप और मिड-कैप के साथ सीमित हिस्सेदारी स्मॉल-कैप में रखें।

एसआईपी धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका

पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड बताता है कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड ने थोड़ा अधिक रिटर्न और बेहतर अल्फा दिया, वहीं मिड-कैप फंड ने कम उतार-चढ़ाव और बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। निवेशकों को केवल अधिक रिटर्न के आकर्षण में निर्णय लेने के बजाय अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। नियमित एसआईपी, लंबी अवधि का नजरिया और विविधीकृत निवेश रणनीति ही धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका साबित हो सकती है।

बहुत ज्यादा एसआईपी से नहीं, सही रणनीति से बनेगी दौलत

नया म्यूचुअल फंड जोड़ने से पहले जांचें कि वास्तव में जरूरत है या नहीं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में बढ़ती जागरूकता के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बड़ी संख्या में निवेशक हर महीने सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश कर रहे हैं। अक्सर यह धारणा बन जाती है कि जितने अधिक म्यूचुअल फंड होंगे, उतना ही बेहतर रिटर्न मिलेगा और जोखिम कम होगा। लेकिन निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि यह सोच हमेशा सही नहीं होती। कई बार जरूरत से ज्यादा फंड रखने से पोर्टफोलियो में एक जैसी कंपनियों का दोहराव बढ़ जाता है, जिससे वास्तविक विविधीकरण नहीं हो पाता और निवेश का उद्देश्य भी प्रभावित हो सकता है।

फंडों की संख्या नहीं, गुणवत्ता और उद्देश्य है महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों के अनुसार, किसी निवेशक के लिए कितनी एसआईपी या कितने म्यूचुअल फंड होने चाहिए, इसका कोई तय नियम नहीं है। यह पूरी तरह निवेश राशि, वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि कोई निवेशक हर महीने 10 से 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है, तो उसके लिए चार से छह अच्छे म्यूचुअल फंड पर्याप्त हो सकते हैं। वहीं, 40 से 50 हजार रुपये या उससे अधिक की मासिक एसआईपी करने वाले निवेशक आठ से दस फंड तक रख सकते हैं। हालांकि, इन फंडों का चयन अलग-अलग श्रेणियों और अलग-अलग एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) से होना चाहिए, ताकि पोर्टफोलियो में वास्तविक विविधीकरण बना रहे।

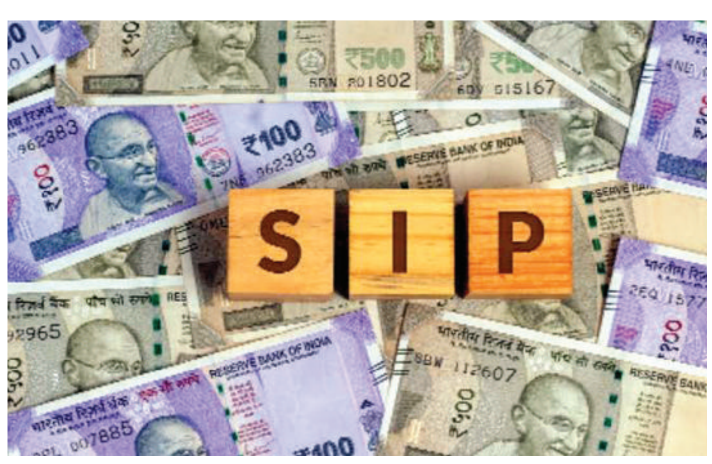

ओवर-डाइवर्सिफिकेशन से भी हो सकता है नुकसान

निवेश में विविधीकरण जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा विविधीकरण नुकसानदेह भी हो सकता है। यदि किसी निवेशक के कई फंड एक ही तरह की कंपनियों में निवेश करते हैं, तो फंडों की संख्या बढ़ने के बावजूद जोखिम कम नहीं होता। उदाहरण के लिए यदि किसी निवेशक के पास 10 इक्विटी फंड हैं और अधिकांश फंड एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों में ही निवेश करते हैं, तो अलग-अलग स्कीम होने के बावजूद वास्तविक निवेश लगभग समान रहेगा। ऐसे में पोर्टफोलियो केवल दिखने में बड़ा होगा, लेकिन उसमें नई विविधता नहीं जुड़ेगी।

पोर्टफोलियो ओवरलैप पर रखें नजर

म्यूचुअल फंड चुनते समय सबसे महत्वपूर्ण बात पोर्टफोलियो ओवरलैप होती है। इसका अर्थ है कि दो अलग-अलग फंडों में कितनी समान कंपनियां शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दो फंडों के बीच 20 से 30 प्रतिशत तक ओवरलैप है, तो इसे सामान्य माना जा सकता है। लेकिन यदि यह 40 से 50 प्रतिशत या उससे अधिक हो जाए, तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। अधिक ओवरलैप का मतलब है कि अलग-अलग फंड रखने के बावजूद निवेश लगभग एक जैसी कंपनियों में ही हो रहा है।

हर नया एनएफओ खरीदना जरूरी नहीं

कई निवेशक बाजार में आने वाले हर नए म्यूचुअल फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेश कर देते हैं। उन्हें लगता है कि नया फंड भविष्य में बेहतर रिटर्न देगा। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी एनएफओ में निवेश करने से पहले उसकी निवेश रणनीति, उद्देश्य और मौजूदा पोर्टफोलियो से उसका अंतर समझना जरूरी है। यदि नया फंड वही काम कर रहा है जो पहले से मौजूद फंड कर रहे हैं, तो उसमें निवेश करना केवल दोहराव बढ़ाएगा।

संतुलित एसेट एलोकेशन है सफलता की कुंजी

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशकों को बाजार की तेजी या गिरावट देखकर फैसले लेने से बचना चाहिए। इसके बजाय लक्ष्य आधारित निवेश रणनीति अपनानी चाहिए। इक्विटी पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 25 प्रतिशत मिड कैप और 20 प्रतिशत स्मॉल कैप फंड में रखने से संतुलन बनाया जा सकता है। इसके साथ ही जरूरत के अनुसार डेट फंड या अन्य परिसंपत्तियों में भी निवेश रखना चाहिए, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम हो।

निवेशकों को मिला बड़ा फायदा

5 वर्ष में 101 इक्विटी फंड्स ने दोगुना किया निवेश

- 310 में से हर तीसरे फंड ने दिया 100% से अधिक रिटर्न
- चार स्कीमों ने सिर्फ तीन साल में किया कमाल
- पुराने रिटर्न देखकर निवेश न करें, सेक्टोरल फंड्स में लें एंट्री

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में 310 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 101 फंड्स ने निवेशकों का पैसा दोगुना या उससे अधिक कर दिया। यानी हर तीन में से लगभग एक इक्विटी फंड ने 100 फीसदी से ज्यादा एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। इतना ही नहीं, चार म्यूचुअल फंड ऐसे भी रहे जिन्होंने केवल तीन वर्षों में ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश का फैसला केवल पुराने रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, क्योंकि बाजार और सेक्टर का प्रदर्शन समय के साथ बदलता रहता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और पीएसयू फंड्स रहे सबसे आगे

पांच साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो सबसे अधिक फायदा सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश करने वालों को मिला। खासतौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर और मिडकैप से जुड़े फंड्स ने जबरदस्त रिटर्न दिए।

सबसे आगे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड रहा, जिसने पांच साल में करीब 188 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी एक लाख रुपये का निवेश लगभग 2.88 लाख रुपये हो गया। इसके बाद एसबीआई पीएसयू फंड और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने करीब 183 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड ने 179 प्रतिशत, डीएसपी इंडिया टाइगर फंड ने 176.51 प्रतिशत और निप्पॉन इंडिया पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने लगभग 174 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डायवर्सिफाइड मिडकैप श्रेणी में मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड ने पांच वर्षों में करीब 172 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को शानदार कमाई कराई।

तीन साल में पैसा दोगुना करने वाले फंड

अगर केवल तीन वर्षों के प्रदर्शन को देखें तो एचडीएफसी डिफेंस फंड सबसे आगे रहा। इस फंड ने करीब 174 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी तीन साल पहले लगाए गए एक लाख रुपये बढ़कर लगभग 2.74 लाख रुपये हो गए। इसके अलावा बंधन स्मॉल कैप फंड ने 106 प्रतिशत, क्वांट बीएफएसआई फंड ने 101.73 प्रतिशत और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने 100.24 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि एसबीआई पीएसयू फंड 99.12 प्रतिशत रिटर्न के साथ इस सूची में शामिल होने से मामूली अंतर से चूक गया।

किन सेक्टरों ने दिलाया सबसे ज्यादा फायदा

पिछले कुछ वर्षों में जिन सेक्टरों ने निवेशकों को सबसे अधिक लाभ पहुंचाया, उनमें डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर, स्मॉलकैप, हेल्थकेयर और बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई) प्रमुख रहे। इन क्षेत्रों में सरकार के पूंजीगत खर्च, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, सार्वजनिक उपक्रमों के बेहतर प्रदर्शन और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का सकारात्मक असर देखने को मिला। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सेक्टोरल फंड हमेशा एक जैसी तेजी नहीं दिखाते। इनमें तेजी और मंदी आर्थिक चक्र के अनुसार आती-जाती रहती है।

क्या अब भी इनमें निवेश करना सही रहेगा?

आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी फिरोज अजीज का कहना है कि निवेशकों को केवल पिछले शानदार रिटर्न देखकर किसी सेक्टोरल या थीमैटिक फंड में निवेश नहीं करना चाहिए। किसी भी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। उनके अनुसार, सेक्टोरल फंड्स में सही समय पर निवेश करना और सही समय पर बाहर निकलना काफी महत्वपूर्ण होता है।

दो साल में कई स्टार फंड्स की रफ्तार हुई धीमी

- पांच वर्षों में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई फंड्स का पिछले दो वर्षों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।
- उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने पिछले दो वर्षों में केवल 5.28 प्रतिशत रिटर्न दिया। एसबीआई पीएसयू फंड का रिटर्न 0.75 प्रतिशत रहा, जबकि आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड और इनवेस्को इंडिया पीएसयू इक्विटी फंड ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दर्ज किया।
- इसी तरह एचडीएफसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और डीएसपी इंडिया टाइगर फंड का प्रदर्शन भी पिछले दो वर्षों में काफी धीमा रहा। इससे साफ है कि किसी सेक्टर में तेज रैली के बाद कुछ समय तक ठहराव या गिरावट आना सामान्य बात है।

छोटी-छोटी बचत से बनाएं बड़ा फंड, भविष्य होगा सुरक्षित

- लाइफस्टाइल से समझौता किए बिना हर माह कुछ न कुछ बचत करें
- अच्छी बचत का मतलब कंजूसी नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना
- आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाना जरूरी
- स्मार्ट मनी मैनेजमेंट से वर्तमान और भविष्य दोनों होंगे खुशहाल
- हर खरीदारी से पहले खुद से सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है

मनी मंत्रा

बिजनेस डेस्क

बढ़ती महंगाई, बदलती जीवनशैली और बढ़ते खर्चों के बीच हर व्यक्ति की सबसे बड़ी चिंता होती है कि आखिर बचत कैसे बढ़ाई जाए। आम धारणा यह है कि पैसे बचाने के लिए अपनी पसंद, शौक और मनोरंजन पर रोक लगानी पड़ती है, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी बचत का मतलब कंजूसी करना नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना है। यदि आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाए तो बिना लाइफस्टाइल से समझौता किए हर महीने अच्छी-खासी बचत की जा सकती है। दरअसल, आज के समय में वित्तीय सुरक्षा केवल अधिक कमाई पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि कमाई का कितना हिस्सा सही तरीके से उपयोग और निवेश किया जा रहा है। यदि व्यक्ति छोटी-छोटी वित्तीय आदतों में बदलाव कर ले तो वह न केवल अपने मासिक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है, बल्कि भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों जैसे घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट और इमरजेंसी फंड को भी आसानी से पूरा कर सकता है।

खर्चों का रिकॉर्ड रखना बचत की पहली सीढ़ी

वित्तीय योजना की शुरुआत हमेशा इस सवाल से होती है कि आपका पैसा आखिर खर्च कहां हो रहा है। अधिकांश लोग यह मानते हैं कि वे बहुत अधिक खर्च नहीं करते, लेकिन जब महीनेभर के बैंक स्टेटमेंट या डिजिटल भुगतान का रिकॉर्ड देखा जाता है तो कई ऐसे खर्च सामने आते हैं, जिनकी वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बिना इस्तेमाल वाले ओटीटी सब्सक्रिप्शन, बार-बार ऑनलाइन खाना मंगाना, छोटी-छोटी ऑनलाइन शॉपिंग, महंगी कॉफी या बार-बार कैब का उपयोग जैसी आदतें महीने के अंत तक हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च करा देती हैं। यदि व्यक्ति अपने सभी खर्चों को मोबाइल ऐप, एक्सेल शीट या डायरी में दर्ज करना शुरू कर दे तो उसे तुरंत समझ आ जाएगा कि बचत की सबसे अधिक संभावना कहां है।

जरूरत और वैल्यू में फर्क समझना जरूरी

अक्सर लोग आकर्षक ऑफर या फैशन के प्रभाव में ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनकी उन्हें वास्तव में आवश्यकता नहीं होती। वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर खरीदारी से पहले खुद से तीन सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है? क्या इसका उपयोग लंबे समय तक होगा? और क्या इसे अभी खरीदना आवश्यक है? ऐसी वस्तुओं या अनुभवों पर खर्च करना बेहतर माना जाता है जो लंबे समय तक लाभ दें। उदाहरण के लिए, कोई नई स्किल सीखना, स्वास्थ्य पर खर्च करना, परिवार के साथ यात्रा करना या अच्छी किताबें खरीदना ऐसे निवेश हैं जो लंबे समय तक मूल्य देते हैं। इसके विपरीत केवल दिखावे के लिए की गई खरीदारी कुछ समय बाद महत्व खो देती है।

'फन बजट' बनाएं, बचत भी होगी व खुशी भी

कई लोग बचत करने के उत्साह में अपने सभी मनोरंजन संबंधी खर्च बंद कर देते हैं। शुरुआत में यह आसान लगता है, लेकिन कुछ समय बाद व्यक्ति मानसिक रूप से थक जाता है और फिर अचानक जरूरत से ज्यादा खर्च करने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए विशेषज्ञ हर महीने एक निश्चित राशि केवल मनोरंजन, घूमने-फिरने, फिल्म देखने या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए अलग रखने की सलाह देते हैं। इसे 'फन बजट' कहा जाता है। इससे व्यक्ति बिना किसी अपराधबोध के अपनी पसंद की गतिविधियों का आनंद ले सकता है और उसका कुल बजट भी नहीं बिगड़ता।

लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन बड़ा वित्तीय जाल

वित्तीय दुनिया में एक शब्द काफी लोकप्रिय है। 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन'। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति अपने खर्च भी बढ़ा देता है। नई नौकरी मिलने पर महंगा मोबाइल खरीद लेना, वेतन बढ़ते ही लग्जरी कार की ईएमआई शुरू कर देना या हर सप्ताह महंगे रेस्टोरेंट जाना इसी प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वेतन बढ़ने पर सबसे पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ानी चाहिए। यदि हर वेतन वृद्धि का कम से कम 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में लगाया जाए तो कुछ वर्षों में बड़ा निवेश कोष तैयार किया जा सकता है।

रोजमर्रा की छोटी आदतों में करें बड़ा बदलाव

बचत के लिए हमेशा बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी आदतें भी लंबी अवधि में बड़ा असर डालती हैं। उदाहरण के लिए, किसी भी सामान को खरीदने से पहले ऑनलाइन कीमतों की तुलना करना, कैशबैक और डिस्काउंट ऑफर का लाभ उठाना, अनावश्यक गैजेट अपग्रेड से बचना, बिजली और पानी की बचत करना तथा सप्ताह में कुछ दिन बाहर खाने की बजाय घर का भोजन करना जैसी आदतें हर महीने अच्छी रकम बचा सकती हैं। इसी तरह क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करें, जितना समय पर चुका सकें। अनावश्यक ईएमआई से बचना और हर महीने आय का कम से कम 20 से 30 प्रतिशत बचत या निवेश के लिए अलग रखना वित्तीय अनुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

खबर संक्षेप

70 वर्ष की आयु में किशोर कुमार को दी 40 गीतों की अद्भुत स्वरांजलि

तखतपुर। सुरों के साधक डॉ. शैलेन्द्र प्रधान ने 70 वर्ष की आयु में किशोर कुमार के 40 गीतों को लगातार गाकर उन्हें स्वरांजलि दी। संगीत केवल कला नहीं, बल्कि साधना है। जब कोई कलाकार जीवन भर सुरों की तपस्या करता है, तब उसकी प्रस्तुति केवल मनोरंजन नहीं रह जाती, बल्कि श्रोताओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। वरिष्ठ गायक डॉ. शैलेन्द्र प्रधान ने इसी साधना का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लगभग 70 वर्ष की आयु में किशोर कुमार के 40 गीत लगातार गाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। शैलेन्द्र प्रधान की यह प्रस्तुति न केवल किशोर कुमार के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और संगीत परंपरा का भी गौरव है। कार्यक्रम के दौरान बाबा ठाकुर, उमर कुरैशी, नंदकुमार सिंगसरिया तथा होशेलाल ने उनका उत्साहवर्धन किया और पूरे आयोजन में मनोबल बढ़ाते हुए सहभागी बने।

सरस्वती सायकल योजना से बालिका शिक्षा को मिला बढ़ावा: राजेन्द्र

बिल्हा। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत झल्फा के शासकीय हाई स्कूल में निःशुल्क सरस्वती सायकिल वितरण योजना के तहत छात्राओं को सायकल का वितरण किया गया। कर्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता राजेन्द्र शुक्ला थे। श्री शुक्ला ने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने व सुगम आवागमन हेतु निःशुल्क सायकल वितरण योजना मील का पत्थर साबित हुआ है। इस मौके पर 34 छात्राओं को सायकल वितरण कर पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में सरपंच सुनील डहरिया, जनपद सदस्य प्रतिनिधि मनोज यादव, ग्राम के वरिष्ठ प्रतिष्ठित नागरिक सीताराम साहू, झूलाराम साहू, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि सेवक साहू, राहुल साहू, प्राचार्य नीलिमा अधिकारी, शिक्षक रजनीश पाण्डेय सहित समस्त शाला परिवार उपस्थित रहे।

शासकीय विद्यालय हथनी में सजावटी एवं पुष्पीय पौधों का रोपण

बिल्हा। उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र हथनी के अधिकारियों द्वारा अधिष्ठाता डॉ. तोरन लाल साहू के मार्गदर्शन में शासकीय विद्यालय, हथनी परिसर में विभिन्न प्रकार के सजावटी एवं पुष्पीय पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यालय परिसर को हरित, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना तथा विद्यार्थियों में पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में शासकीय विद्यालय हथनी के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया।इस अवसर पर हथनी ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि मनीराम बंजारे एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मकसूदन वर्मा एवं डॉ. मुकेश कुमार पटेल उपस्थित रहे।

सूरजमल स्कूल में शाला प्रबंध समिति का गठन

बिल्हा। शासकीय सूरजमल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शाला प्रबंधन समिति का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्य संगीता कुशवाहा ने की। संचालन व्याख्याता गीता शंकर उपाध्याय ने किया। बैठक में शाला प्रबंधन समिति के गठन के मापदंड की जिम्मेदारी एवं कर्तव्यों की जानकारी दी गई। सर्वसम्मति से शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पद पर गरिमा पांडे, उपाध्यक्ष पद पर लक्ष्मण मरावी को चुना गया। सदस्य के रूप में स्थानीय प्राधिकरण से रिखीराम ध्रुव एवं रामकली प्रजापति का चयन किया गया। पूर्व विद्यार्थी के रूप में महेश माखीजा का चयन किया गया। पालक सदस्यों में वीरू मनहर, अशोक कुमार, बलदाऊ राम साहू, काजल अरोरा, सुनीता, मानती बनिक, शिव कुमारी, राजबाई, भगवंतीन शामिल किए गए हैं। इस अवसर पर शाला के व्याख्याता गीता शंकर उपाध्याय, दिनेश सिंह बिसेन, दीपिका शर्मा मूलचंद देवांगन, प्रधानपाठिका रेखा भारद्वाज उपस्थित रहे ।

बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जाना लोगों का हाल

विधानसभा सत्र से लौटते ही जनता के बीच पहुंचे सुशांत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में लगातार हुई भारी वर्षा एवं जलभराव की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला विधानसभा सत्र की कार्यवाही से लौटते ही सीधे प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले वर्षा से प्रभावित इलाकों का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों एवं प्रभावित परिवारों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं तथा प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल राहत एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

■ तत्काल राहत, जल निकासी और सफाई व्यवस्था के दिए निर्देश

विधायक श्री शुक्ला ने जोरापारा, ड्रीम इम्पीरिया, जगदम्बा कॉलोनी, चांटीडीह, देवनंदन नगर, विजयापुरम, डबरीपारा, चिंगराजपारा, लिंगियाडीह, राजकिशोर नगर, बिजौर एवं बहतराई सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर जलभराव की स्थिति, राहत कार्यों एवं सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में जल निकासी, साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक श्री शुक्ला ने कहा कि विधानसभा सत्र के कारण वे क्षेत्र में उपस्थित नहीं हो सके थे, जिसकी जानकारी उन्होंने पहले ही क्षेत्रवासियों से साझा की थी। क्षेत्र पहुंचते ही उनका पहला दायित्व प्रभावित नागरिकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को जानना और राहत कार्यों को गति देना रहा। इस अवसर पर विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि प्राकृतिक आपदा केवल एक चुनौती नहीं होती, बल्कि यह समाज की संवेदनशीलता, सेवा भावना और एकजुटता की भी परीक्षा होती है। बेलतरा विधानसभा का प्रत्येक नागरिक उनके परिवार का सदस्य है और संकट की इस घड़ी में वे हर प्रभावित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं।

महिला से जानकारी लेते विधायक सुशांत शुक्ला।

शीघ्र राहत पहुंचाना प्राथमिकता

उन्होंने नागरिकों से संयम बनाए रखने, प्रशासन का सहयोग करने तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आग्रह करते हुए विश्वास दिलाया कि बेलतरा का कोई भी परिवार इस कठिन समय में स्वयं को अकेला नहीं पाएगा। संकट की इस घड़ी में वे प्रत्येक नागरिक के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और हर प्रभावित परिवार तक शीघ्र राहत पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक संयम बनाए रखें, प्रशासन का सहयोग करें तथा अपने आसपास रहने वाले बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती माताओं एवं जरूरतमंद परिवारों का विशेष ध्यान रखें। सामूहिक सहयोग और जनभागीदारी से इस कठिन परिस्थिति का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पश्चिम मंडल अध्यक्ष रत्नाकर (मोनू) श्रीवास, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिओम पवन कश्यप, जोन अध्यक्ष रेखा सूर्यवंशी, एमआईसी सदस्य श्रीमती रेखा ओमप्रकाश पांडेय, रुपाली अनिल गुप्ता, एल्डरमैन भगवती साहू, संतोष दुबे, मनोरमा विजय यादव, जय वाधवानी, प्रीतेश सोनी, ममता अमित मिश्रा, रानी शैलेष देवांगन, त्रिदेव रजक, कमल पटेल, दिनेश सिंह, पेशीराम जायसवाल, पंचराम साहू, सोनू सिंह, अभिषेक साव सहित जोन कमिश्नर एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

सफाई कार्य में लगी महिला को ट्रेलर ने कुचला, मौत

रतनपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे बाईपास पर शनिवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सड़क सफाई कार्य में लगी एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगने से काफी देर तक यातायात बाधित रहा।

जानकारी के अनुसार, बिलासपुर की ओर से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रेलर अचानक अनियंत्रित हो गया। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रेलर डिवाइडर पार करते हुए दूसरी ओर की सड़क पर पलट गया। उसी समय सड़क की सफाई कर रही महिला महिमा कोशले ट्रेलर की चपेट में आ गई। ट्रेलर के नीचे दबने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रतनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया तथा क्रेन की सहायता से पलटे हुए ट्रेलर को हटवाकर यातायात बहाल कराया। हादसे के कारण हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी।

ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नेशनल हाईवे के मेंटेनेंस कार्य करा रहे ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का आरोप है कि सड़क पर सफाई कार्य के दौरान न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए थे और न ही बैरिकेडिंग या अन्य सुरक्षा संकेतकों की व्यवस्था की गई थी। यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता तो वाहन चालकों को पहले से सतर्क किया जा सकता था और संभवतः यह हादसा टाला जा सकता था।

सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर कार्य कर रहे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिससे वे सीधे तेज रफ्तार वाहनों की जद में आ रहे थे। घटना के बाद लोगों में ठेकेदार के प्रति भारी आक्रोश देखने को मिला। पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, दुर्घटना के वास्तविक कारणों के साथ-साथ सड़क मेंटेनेंस कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, इसकी भी जांच किए जाने की मांग स्थानीय लोगों ने उठाई है।

लोरमी राज श्रीवास समाज का गठन, सुरेश बने अध्यक्ष

लोरमी। छत्तीसगढ़ देशहा सेन समाज के प्रदेश अध्यक्ष हीराधर सेन के मार्गदर्शन में लोरमी राज के लिए सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सेन, प्रदेश महासचिव शत्रुहन श्रीवास, संरक्षक प्यारेलाल सेन, अशोक ठाकुर, पहलवान सेन, कोरबा अध्यक्ष रामानुज श्रीवास, दगौरी राज अध्यक्ष हीरालाल श्रीवास, संरक्षक भगेला श्रीवास भोला श्रीवास (उमाशंकर श्रीवास) रामरतन सेन कोषाध्यक्ष दगौरी जनकराम श्रीवास संरक्षक पामगढ़, महेन्द्र श्रीवास सचिव पामगढ़ युवा संगठन के उपाध्यक्ष कपिल श्रीवास सहित विभिन्न परिक्षेत्रों के पदाधिकारी एवं सामाजिकजन उपस्थित रहे। इस मौके पर लोरमी राज एवं नवागढ़ राज का निर्विरोध निर्वाचन किया गया, जिसमें पूर्व पार्षद सुरेश श्रीवास को लोरमी परिक्षेत्र का प्रथम अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश श्रीवास, सचिव भोजराम श्रीवास, सहसचिव रमेश श्रीवास, कोषाध्यक्ष राकेश श्रीवास, संगठन सचिव भूपेंद्र श्रीवास की नियुक्ति की गई। संरक्षक के रूप में संतोष श्रीवास तेली खाम्ही, श्यामजी श्रीवास मनोहरपुर, शिवकुमार श्रीवास लाखासर, तिहारी श्रीवास रहंगी, राधेलाल श्रीवास चंदली, मुन्ना श्रीवास झझपुरी मौजूद थे। सम्मेलन को सफल बनाने में कमलेश श्रीवास, आंनद श्रीवास सहित समाज के युवाओं की प्रमुख भूमिका रही।

विशेष लोक अदालत में 32 प्रकरण निराकृत

मुंगेली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला न्यायालय मुंगेली एवं तहसील न्यायालय लोरमी में परक्राम्य लिखित अधिनियम (चेक बाउंस) प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण न्याय उपलब्ध कराते हुए कुल 32 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा 73 लाख 43 हजार 595 रुपये की अवार्ड राशि पारित की गई।

■ चेक बाउंस मामलों के सौहार्द्रपूर्ण समाधान से पक्षकारों को मिली त्वरित न्यायिक राहत

जिला न्यायालय में विशेष लोक अदालत का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर न्यायाधीश, अधिवक्ता, पक्षकार एवं न्यायालयीन अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे। लोक अदालत के सुचारू संचालन के लिए जिला न्यायालय मुंगेली में तीन तथा तहसील न्यायालय लोरमी में एक, कुल चार खंडपीठों का गठन किया गया। विशेष लोक अदालत के लिए परक्राम्य लिखित अधिनियम (चेक बाउंस) से संबंधित 152 लंबित प्रकरणों को चिन्हित कर सुनवाई के लिए रखा गया। सुनवाई के दौरान आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर 32 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण हुआ, जिससे पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिली और 73 लाख 43 हजार 595 रुपये की अवार्ड राशि पारित की गई। विशेष लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के साथ–साथ पक्षकारों के समय, श्रम एवं आर्थिक संसाधनों की भी बचत हुई।

चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, जेल भेजे गए

रतनपुर। स्थानीय पुलिस ने ग्राम लखराम में सार्वजनिक स्थानों पर धारदार चाकू लहराकर राहगीरों को डराने-धमकाने वाले दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो धारदार चाकू भी जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार 17 जुलाई को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम लखराम के गायत्री चौक और बाजार चौक क्षेत्र में दो युवक हाथों में चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक निलेश पाण्डेय ने तत्काल पुलिस टीम गठित कर मौके पर रवाना किया। पुलिस ने घेराबंदी कर परमेश्वर केंवट उर्फ पेशू (27 वर्ष), निवासी लखराम को गायत्री चौक से तथा रूपेश साहू (18 वर्ष), निवासी लखराम को बाजार चौक के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से एक-एक धारदार चाकू बरामद हुआ। दोनों आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा स्पर्धा में खिलाड़ियों ने जीते 11 पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोरमी

स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 के अंतर्गत बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 15 जुलाई तक बॉक्सिंग रिंग , प्रगति मैदान , पंडरी, रायपुर में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में मुंगेली जिला के खिलाड़ियों ने बिलासपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और 5 स्वर्ण, 3 रजत एवं 3 कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर संभाग एवं मुंगेली जिले का नाम रोशन किया।

14 वर्ष बालक वर्ग में न्यू जनरेशन पब्लिक स्कूल, लोरमी के आशीष सिंह ने 28–30 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। 17 वर्ष बालिका वर्ग में महाराणा प्रताप उ.मा. विद्यालय, झाफल की दीप्ति राजपूत ने 66 से 70 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक, शासकीय उ.मा. विद्यालय, गोड़खाम्ही की सोनल टंडन ने 42 से 44 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक तथा स्वामी आत्मानंद स्कूल, लोरमी की रितिका सोनी ने 50 से 52 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। 17 वर्ष बालक वर्ग में महाराणा प्रताप उ.मा. विद्यालय, झाफल के निखिल राजपूत ने 66 से 70 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता , स्वामी आत्मानंद स्कूल, लोरमी के दुष्यंत साहू ने 75 से 80 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया , अखिल सिंह ने 57 से 60 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता। 19 वर्ष बालिका वर्ग में शासकीय उ.मा. विद्यालय, गोड़खाम्ही की साक्षी जोशी ने 54 से 57 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक एवं खुश्बू खाण्डे ने 57 से 60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक, अमीषा ध्रुवे ने 45 से 48 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक तथा ईशा अनन्त ने 51 से 54 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता।

17 वर्ष बालिका वर्ग में माही आहिरे ने चतुर्थ स्थान , प्रतिष्ठा सिंह राजपूत ने पंचम स्थान , ख्याति बघेल ने पंचम स्थान प्राप्त किया। 17 वर्ष बालक वर्ग में रूपेश चेलकर ने पंचम स्थान , गजेन्द्र कुमार साहू ने पंचम स्थान प्राप्त किया । 19 वर्ष बालिका वर्ग में मालती किस्पोट्टा ने चतुर्थ स्थान , सजीना कुजूर ने चतुर्थ स्थान , अमिता राजपूत ने पंचम स्थान प्राप्त किया । 19 वर्ष बालक वर्ग में प्रियांशु चेलकर ने पंचम स्थान, मानस राजपूत ने पंचम स्थान प्राप्त किया। बिलासपुर संभाग के बालक बालिका 19 वर्ष दल के प्रशिक्षक सुबोध कुमार सिंह , 14 , 17 वर्ष बालक बालिका दल के प्रशिक्षक मुकेश सिंह राठौर थे । सभी खिलाड़ी विकासखंड खेल केंद्र लोरमी में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले दीप्ति राजपूत, निखिल राजपूत, दुष्यंत साहू, साक्षी जोशी एवं खुश्बू खण्डे आगामी माह मणिपुर एवं हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय शालेय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नाली निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही, ग्रामीणों में आक्रोश

कुकदा। मस्तूरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुकदा में चल रहे विकास कार्यों में लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां 9 लाख रुपए की लागत से लगभग 400 मीटर लंबी नाली का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य में तय मानकों को ताक पर रखकर अनियमितता बरती जा रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों में इस घटिया निर्माण को लेकर भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि नाली निर्माण में बिना रॉयल्टी की रेत का इस्तेमाल किया जा रहा है। इतना ही नहीं इस रेत में लगभग 40 प्रतिशत तक मिट्टी मिक्स है। किसी नामी कंपनी के बजाय घटिया और लोकल ब्रांड के सीमेंट का इस्तेमाल किया जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार मुंगेली
जिला मुंगेली (छ.ग.)
जाहिर सूचना

क्रमांक/6/तह. /वा./2026
मुंगेली, दिनांक 01.07.2026

प्रति, 1. सीनारीन 2. पंचबाई 3. सुशीला 4. रानीबाई सभी पति कुंजू उर्फ कुंजराम 5. धरमजीत बारमते 6. कु. बबीता दोनो पिता कूंजू उर्फ कुंजराम निवासी ग्राम मुढिया तह. व जिला मुंगेली (छ.ग.)

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि ग्राम मुढ़िया प.ह.नं. 12 तहसील मुंगेली जिला मुंगेली स्थित भूमि ख.नं. 46/3, 87/2, 141/2, 145, 148, 246 रकबा कुल 1.243 हे. ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में आपके नाम से दर्ज प्रदर्शित हो रहा है। आवेदक कुंजू उर्फ कुंजराम पिता स्व. मंगल निवासी मुढ़िया तहसील व जिला मुंगेली छ.ग. के द्वारा पंजीकृत बैनामा एवं कब्जा के आधार पर उक्त प्रश्नाधीन भूमि को अपने नाम पर राजस्व अभिलेख दुरूस्त करने के संबंध में आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव आप उक्त संबंध में दिनांक 22.07.26 तक स्वतः या अधिवक्ता अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा और आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 01.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
मुंगेली

Public Notice

This is to inform general public that Shabana Akhtar W/o Safiq Ahmad has purchased Diverted Land Sheet No.26, Plot No.677, Khasra No. 602/188, Area 0.011 hec/ 1250 Sqft, Situated at Mouja Ghuru, P.H. No. 61 RNM Sakri, Tahsil Sakri District Bilaspur (C.G.) from 1. Naveen Pandey S/o Banshilal Pandey 2. Vijay Laxmi Tiwari D/o Banshi Lal Pandey (W/o Raju Tiwari) 3. Bindu Mishra D/o Banshi Lal Pandey through registered sale deed and Shabana Akhtar W/o Safiq Ahmad wants to avail loan facility from Piramal Finance Ltd.

Previous deed of Seller 1. Asfaq Khan S/o Ahmad Khan 2. Abeda Khan W/o Asfaq Khan has sold Khasra No.602/188 to Shanta Pandey W/o Banshilal Pandey through Registered Sale Deed on Dated 06.09.2012, Deed No.2186.

As Previous sale deed Dated 06.09.2012, Deed No. 2186 has been lost.

This is the general public notice regarding loss of RR Receipt and Fifth Seal page from the sale deed if any bank, financial institution, and other person have objection they can place there objection within 7 days from the newspaper publication afterwards all objection will be null and void.

Regards
Advocate D.K.Bajaj
7024053415

प्रथम पृष्ठ का शेष

क्योंकि हम कानून...

रोक-टोक और बिना पर्ची के कफ सिरप आसानी से उपलब्ध कराई जा रही है। एक तरफ जहां कुछ मेडिकल स्टोर्स पर नियमों का सख्ती से पालन किया जा रहा है और
बिना पर्ची के दवा देने से साफ मना किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ कई इलाकों में दवा दुकानदार धड़ल्ले से तय नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। 'हरिभूमि' संवाददाताओं ने खुद ग्राहक बनकर करीब 12 अलग-अलग ठिकानों से बिना किसी डॉक्टर के पर्चे के कफ सिरप खरीदी, जो सीधे तौर पर प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री और प्रशासन की सुस्त निगरानी की पोल खोलता है। नशीले विकल्प के रूप में इस्तेमाल होने वाली इन सिरपों की यह बेधड़क बिक्री युवाओं के भविष्य और कानून व्यवस्था दोनों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

बिना पर्ची सिरप...

छूट मिलती थी, वह इस नए नियम के लागू होते ही पूरी तरह खत्म हो गई है। ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर संयुक्त सचिव हर्ष मंगला द्वारा जारी यह नया आदेश देशभर में तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

चादर लेकर पहुंचे...

भर्ती कराया गया है और चिकित्सकों की निगरानी में उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। अस्पताल के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि डॉक्टर सोनम वांगचुक की चिकित्सकीय जांच कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, सोनम वांगचुक को आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लंबे समय से भूख हड़ताल और शरीर में पानी की कमी के कारण वह काफी कमजोर हो गए हैं। हालांकि, उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है, लेकिन उनके शरीर के विभिन्न स्वास्थ्य मानकों को सामान्य करने के लिए लगातार निगरानी और उपचार की आवश्यकता है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह और दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में सोनम वांगचुक को 'आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल' के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई में बाधा डालने का प्रयास किया, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हुई। पुलिस ने कहा कि हालांकि, पुलिसकर्मियों ने अधिकतम संयम बरतते हुए पूरी कार्रवाई सफलतापूर्वक पूरी की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से अपना आंदोलन समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि वे जल्द से जल्द शांतिपूर्वक धरना स्थल खाली कर दें। वांगचुक ने शुक्रवार रात कहा था कि बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के बावजूद वह अपना अनशन जारी रखने के लिए दृढ़ हैं। उनका दावा था कि 20 दिन की भूख हड़ताल के दौरान उनके शरीर का 20 प्रतिशत हिस्सा क्षीण हो गया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा था, प्याज की कीमतों को लेकर सरकारें गिर चुकी हैं। मेरे शरीर का 20 प्रतिशत हिस्सा क्षीण हो गया है। अब समय आ गया है कि यह सरकार युवाओं की आवाज सुने। उन्होंने इस दौरान छात्रों के आंदोलन के प्रति अपना समर्थन भी दोहराया।

वांगचुक ने तरल पदार्थ, दवा लेने से किया इंकार-
सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने निर्जलीकरण और चयापचय संबंधी समस्याओं के बावजूद नसों के माध्यम से दिए जाने वाले तरल पदार्थ और किसी भी तरह की दवा लेने से इंकार कर दिया है। 59 वर्षीय वांगचुक को दिल्ली पुलिस अस्पताल लेकर आई और सुबह सात बजकर 40 मिनट पर भर्ती कराया गया। वह 20 दिनों से अनशन पर थे और कमजोरी महसूस हो रही थी। इसमें कहा गया है कि भर्ती के समय वह होश में थे और उनकी नाड़ी, रक्तचाप तथा ऑक्सीजन का स्तर स्थिर था। उनमें निर्जलीकरण के लक्षण दिखाई दिए।

दीपके ने शुरू की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल-
पुलिस की कार्रवाई के तुरंत बाद कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया। दीपके ने कहा, दिल्ली पुलिस ने मेरे साथ मारपीट की है। मुझे हिरासत में ले लिया है। इस बीच, दीपके ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, मैं अभी से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर रहा हूं। कॉजपा ने 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वांगचुक को सफेद चादर में लपेटकर प्रदर्शन स्थल से ले जाते हुए दिखाया गया है। बहरहाल, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के सदस्य नेहा, आमीन और मनीष ने आंदोलन के 21वें दिन भी प्रदर्शन स्थल पर अपनी भूख हड़ताल जारी रखी।

पत्नी का दावा, अस्पताल में भर्ती की नहीं थी जरूरत-
वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मो का भी दावा है कि सोनम का पोटैशियम लेवल कम है। इसकी दवा जंतर-मंतर पर भी दी जा सकती थी, अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं थी। गौरतलब है कि वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी।

चार दिन पहले...

ने ही आत्महत्या कर ली। पुलिस अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है।

सबसे सज्जनता से पेश आता था-
मृतक के घर के आस-पास रहने वाले लोगों का कहना है कि सैयद शाहिद अली लोगों से कम बात करता था। लेकिन जब भी बात करता था सलीके से पेश आता। मुताबिक मृतक पांच भाई थे, उनमें सबसे बड़ा सैयद था। मृतक अपने भाइयों के अलग रहता था। पारिवारिक मसलों पर चर्चा भी नहीं होती थी। इस वजह से कर्ज के संबंध में मृतक के भाई भी पुलिस को कुछ नहीं बता पा रहे।

चाह माह पहले मृतका उर्स में मायका गई थी -
सैयद शाहिद की पत्नी राबिया के भाई अकबर ने बताया कि उनकी बहन चार माह पूर्व उर्स में शामिल होने दुर्ग आई थी। इसके बाद बीच-बीच में उनका अपनी बहन के साथ सामान्य बातचीत होती थी। बातचीत में मृतका ने अपने भाई को अपने परिवार के माली हालत के बारे में किसी तरह से कोई चर्चा नहीं की थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद अकबर तथा उनके परिवार के लोग शुक्रवार रात रायपुर पहुंच गए हैं।

बैट्री रिपेयरिंग का कारोबार -
पड़ोसियों के अनुसार सैयद शाहिद अली तथा उनके परिवार रहन सहन में सादगी दिखती थी। परिवार ताम झाम से दूर रहता था। मृतक मौदहापारा में बैट्री रिपेयरिंग का काम करता था। मृतक के जिन लोगों के साथ संपर्क था, उन लोगों ने बताया कि एक दशक पूर्व सैयद शाहिद अली ओपोलो बैट्री में काम करता था, तब उनकी माली हालत बहुत अच्छी थी। उसके बाद क्या हुआ पता नहीं।

पंचायतों में 61 फीसदी...

पड़ रहा है। रिपोर्ट में पैसों की हेराफेरी, योजनाओं को लागू करने में सुस्ती और प्रशासनिक ढिलाई से जुड़ी कई बड़ी कमियां सामने आई हैं।

ग्राम सभाओं में लोग ही नहीं पहुंचे-
रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला खुलासा ग्राम सभाओं को लेकर हुआ है। जांच के लिए चुनी गई 36 ग्राम पंचायतों में से किसी भी ग्राम सभा की बैठक में कोरम पूरा नहीं किया गया। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और न ही कई पंचायतों ने अपना सालाना हिसाब-किताब तैयार किया।
पंचायतों का पैसा रोकाः नियम के मुताबिक राज्य सरकार को भू-राजस्व, टैक्स और आबकारी ड्यूटी से होने वाली कमाई का एक हिस्सा पंचायतों को देना था, लेकिन यह राशि उपलब्ध नहीं कराई गई। 2018 से 2023 के बीच राज्य वित्त आयोग की सिफारिश के मुकाबले स्थानीय निकायों को 3,243.46 करोड़ कम मिले। माइनिंग रॉयल्टी और स्टाम्प ड्यूटी जैसे बड़े मदों से भी पंचायतों को सिर्फ 398.20 करोड़ ही ट्रांसफर किए गए।

बिलासपुर में अलर्ट,...

तरफ फैली है। 300 से अधिक लोगों को एसडीआरएफ की टीम ने बचाकर राहत कैंपों में पहुंचाया है। कई जगहों की सड़कें टूट गईं है तो एनएच पर लोगों ने चक्काजाम कर विरोध जताया। सिमगा के पास सड़क के उपर से पानी बहने के कारण रायपुर- बिलासपुर का संपर्क टूटा हुआ है।
भारी बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव, बिजली संकट, पेयजल आपूर्ति में बाधा, कीचड़, क्षतिग्रस्त सड़कें और यातायात अव्यवस्था एक साथ सामने आई। कई कॉलोनियों में लोग देर रात तक घरों और दुकानों से पानी निकालते रहे, जबकि दूसरी ओर बिजली बहाल होने का इंतजार करते रहे। बारिश के बाद सामने आई इन समस्याओं ने यह संकेत दिया कि शहर अब केवल जलभराव ही नहीं, बल्कि बिजली व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और क्षतिग्रस्त सड़क जैसे कई मोर्चों पर एक साथ चुनौतियों का सामना कर रहा है।

हर तरफ 6 से 8 फीट तक पानी भर गया-
लोगों के घरों में पानी घुसने से भारी तबाही का नजारा देखने को मिला। जिन इलाकों में पिछले 20-25 साल में कभी पानी नहीं भरा, वहां भी इस बार लोगों को पूरी रात घर नहीं, बल्कि अपना सामान बचाने की मशक्कत करते रहे। हैरानी की बात है कि जिन इलाकों में जलभराव रोकने के लिए करोड़ों का काम हुआ है, वह इलाका भी जलमग्न नजर आया। वहीं, लोगों ने पूरे दिन ग्राउंड फ्लोर की जगह पहली मंजिल पर दिन बिताई। बारिश का सबसे ज्यादा असर अरपापार, रायपुर रोड, सकरी और शहर की बाहरी कॉलोनियों में देखने को मिला।

एनएच पर घंटों यातायात प्रभावित- सैकड़ों ग्रामीणों, महिलाओं और स्थानीय लोगों ने धूमा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात घंटों तक प्रभावित रहा। लोगों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। धूमाधाम ग्राम पंचायत के लोगों ने बताया कि पुल और ड्रेनेज निर्माण अधूरा छोड़ दिए जाने के कारण बारिश का पानी गांव में भर रहा है। इससे 150 से अधिक घर जलमग्न हो गए हैं और लोगों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। जाम की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर समस्या के जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

हरिभूमि-आईएनएच...

मुदलियार, उद्योगपति बहादुर अली, शिक्षा मंडल राजनांदगांव के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश एचलाल, वरिष्ठ पत्रकार सुशील कोठारी, महावीर ग्रुप के एमडी विनोद बोहरा, उद्योगपति सुनील मुंदड़ा, उद्योगपति सुनील अग्रवाल, चिकित्सक डॉ. प्रकाश खुंटे, चेंबर ऑफ कामर्स अध्यक्ष कमलेश बैद, कैट अध्यक्ष राजू डागा शामिल होंगे। इसके साथ ही जिले के कलेक्टर जितेन्द्र यादव एवं एसपी अंकिता शर्मा से भी जिले को लेकर चर्चा की जाएगी।

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

महाद्वीपों को जोड़ता है यह अकेला देश, जानें कहां से कहां तक लगती है इसकी सीमा

दुनिया के नक्शे पर कई ऐसे अनोखे देश मौजूद हैं, जिनकी भौगोलिक सीमाएं किसी एक महाद्वीप तक सीमित न रहकर अलग-अलग महाद्वीपों को आपस में जोड़ती हैं। भूगोल की भाषा में इसे ट्रांसकॉन्टिनेंटल या अंतर्महाद्वीपीय देश कहा जाता है लेकिन जब बात विशेष रूप से एशिया और अफ्रीका जैसे दो विशाल भूभागों को जोड़ने की आती है तो पूरी दुनिया में केवल मिस्त्र ही अकेला ऐसा देश है जो इस खूबी को समेटे है।

मिस्त्र का अधिकांश मुख्य भूभाग भौगोलिक और एतिहासिक रूप से अफ्रीका महाद्वीप के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित है, लेकिन इस देश का खास इलाका ऐसा भी है, जो कि भौगोलिक तौर पर एशिया महाद्वीप की सीमा के अंदर आता है। यही कारण है कि मिस्त्र को इन दोनों महाद्वीपों के बीच एक बेहद मजबूत और महत्वपूर्ण पुल माना जाता है। इस अनोखी भौगोलिक स्थिति की वजह से मिस्त्र न केवल रणनीतिक रूप से दुनिया का एक शक्तिशाली केंद्र बन जाता है, बल्कि यह प्राचीन काल से व्यापार और संस्कृति के आदान-प्रदान का बड़ा जरिया रहा है। मिस्त्र की सीमाओं की बात करें तो यह उत्तर में भूमध्य सागर और पूर्व में लाल सागर से घिरी हैं। अफ्रीका महाद्वीप वाले मुख्य हिस्से में इसके पश्चिम में लीबिया देश की सीमा लगती है और दक्षिण में सूडान देश स्थित है।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR

Notice Inviting Tender (1st Call)

SYSTEM TENDER NO/ 195584 /NIT NO: 141/Comm./F.P./ Raipur Dated 15-07-2026

Online bids are invited for the following works up to 07/08/2026 at 17:30 hours.

Online tender is invited by the Commissioner, Municipal Corporation, Raipur for the following work in Form "F" for lump Sum contract from the contractors registered with Unified Registration System (Single Window) on GoCG PWD & e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) through sub portal https://uadd.cgeprocurement.gov.in as per the 'key Dates' mentioned below. All other conditions for submission of tenders and criteria for prequalification etc. have been mentioned in the tender documents.

Sr. No.	System Tender No.	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. In Lakh) (inclusive 5 years O&M)	Earnest Money TDR/FDR in favour of COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (Rs. In Lakh)	Cost of Tender Document	Eligible class of contract or /firm	Time allowed for Completion
1	195584	Construction of WTP of Capacity 150 MLD, 16.00m Dia. Intake well, 1200 mm Dia. DI K-9 Pipe Raw & Clear Water Pumping Main, Raw & Clear Water Pumping Machinery, Sub Station, SCADA With All Necessary Components And O&M for 5 Years	14942.22 Lakhs	75.00 Lakhs	Rs 25000/- in the form of DD in favour of COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR	A Class	24 Months (including 03 (three) months trial run), and 5 (five) years Operation and maintenance Rs

COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- Optometrist/Ophthalmic Assistant की आवश्यकता है L. V. Prasad Hyderabad, Sadguru Netra Chikitsalaya Chitrakoot, शंकर नेत्रालय हैदराबाद वालों को प्राथमिकता सम्पूर्ण बायो डाटा के साथ सम्पर्क करें- आशीर्वाद लेजर फेको आई हॉस्पिटल आई. जी. ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.) (41444)

आवश्यकता है- वेल्डर, हेल्पर की। फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 9399343522, 9039524801 (41454)

आवश्यकता है- राजेन्द्र नगर, बिलासपुर स्थित CA ऑफिस में कार्य करने हेतु अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है। टैली एवं GST का अनिवार्य ज्ञान। सैलरी- 12000 से 15000, अपना रिज्यूमे व्हाट्सएप करें- 7566660120 (41449)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित साड़ी शॉप में अनुभवी सेल्समैन- 6 (लड़के), हेल्पर- 4 (लड़के/लड़की), रिसेप्शनिस्ट-2 (लड़की), 2 फ्लोर मैनेजर (लड़के) चाहिए वेतन योग्यतानुसार। पता- वसंत साड़ी सेन्टर, सदर बाजार, बिलासपुर 9755498703, 7987065573 (41453)

आवश्यकता है- गनियारी (कोटा रोड) स्थित 1 एकड़ में खेत की देख रेख हेतु आदमी की आवश्यकता है रहने की भी व्यवस्था है सम्पर्क करें- ध्रुव अग्रवाल बिलासपुर 7987165126, 9424143077 (41450)

आवश्यकता है- तिफरा स्थित डॉक्टर दंपत्ति के घर की देखभाल और घरेलू कामकाज हेतु लड़की/महिला की अतिशीघ्र आवश्यकता है। 24घंटे वालों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7693965549, 7024975770, 7000087824, 8770661585 (41456)

आवश्यकता है- कक्षा नर्सरी के दो बच्चों को घर में आकर ट्यूशन पढ़ाने के लिए एक युवती/ महिला की आवश्यकता है वेतन 6000 से 10000 रुपए तक। सम्पर्क करें- 8817395214 (41455)

आवश्यकता है-ऑफिस साफ सफाई कार्य हेतु लड़के की आवश्यकता है (उम्र 25वर्ष अधिकतम) सम्पर्क करें- A-214 श्रीनारायण प्लाजा, श्रीकांत वर्मा मार्ग चौक, लिंक रोड, बिलासपुर 9300660864, 9174408884 (41435)

आवश्यकता है- ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल मिशन हॉस्पिटल रोड बिलासपुर में कार्य करने हेतु ड्राइवर, प्यून, आया की शीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 6261613256 (41451)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड की तत्काल भर्ती पुराना बस स्टैण्ड, तेलीपारा, तिफरा, सिरगिट्टी, परसदा हेतु आवश्यकता है। वेतन 9000 से 10000 तक आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- 9993336942 9589316942 (41448)

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता है जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 9630922589, 9893029618 (530)

आवश्यकता है- प्रो. सोलर एनर्जी कम्पनी में सोलर पैनल क प्रचार प्रसार करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 10000+ पेट्रोल+ कमीशन लोकेशन- बिलासपुर, तखतपुर सम्पर्क करें- 9893674156 (41457)

आवश्यकता है- होटल में रोटी बनाने, वेटर, हेल्फर, मिस्त्री, बर्तन सफाई काम करने हेतु आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार रहने खाने की उत्तम व्यवस्था सम्पर्क करे पाण्डेय स्वीट्स अशोक नगर बिलासपुर 9907748408 (41443)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य हेतु कर्मचारियों एवं बिजी साफ्टवेयर जानकार कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए। वेतन अनुभव, योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- माँ अम्बे रेडीमेड, लैंडमार्क कॉम्प्लेक्स के सामने, करबला रोड बिलासपुर 8959395941, 9300540909 (41414)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने हेतु लड़कों एवं हेल्पर की आवश्यकता है। आधार सहित सम्पर्क करें- श्रीबजाज ट्रेडर्स मंगला चौक के पास CLC प्लाजा के सामने रिंग रोड नं-2 बिलासपुर 7000727385 (41400)

आवश्यकता है- बिलासपुर लॉज में मैनेजर 1पद आयु 30वर्ष से ऊपर वेतन 10000 से ऊपर योग्यता, समय अनुसार, अनुभवी बिजली मिस्त्री की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9406390898, 9827940898 (41440)

आवश्यकता है-एकाउंटेंट की आवश्यकता है (टैली, एमएस ऑफिस में 1 से 2वर्ष अनुभवी) सैलरी 15000 से 20000, इंटरव्यू हेतु अपने रिज्यूम सहित सम्पर्क करें- डीकेए कंस्ट्रक्शन बिलासपुर रोड, शिवरीनारायण 7999891270, 7417830012 (41429)

आवश्यकता है-छोटा हाथी चलाने के लिए ड्राइवर/ सप्लायर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- विक्रांत भवन राजीवगांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर 9229132980 (41428)

आवश्यकता है-थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, डिलिवरी हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें-नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (41437)

आवश्यकता है- घर में रहकर घरेलू खाना बनाने के लिए अनुभवी पुरुष कुक (व्यक्ति) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9827195555 (41412)

आवश्यकता है-साथमें रहकर घरकार्य, कपड़े प्रेस करने हेतु 18-22वर्ष अशिक्षित 2लड़के की आवश्यकता है रहना खाना फ्री आधारकार्ड सहित सम्पर्क करें- राव लॉन्ड्री, 3/85, चंदन आवास राजकिशोर नगर बिलासपुर 9238286967 (41427)

आवश्यकता है- ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बहतराई में आया, प्यून, ड्राइवर, कंडक्टर, सुपरवाइजर की शीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9179281177, 9131279748 (41441)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 18000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000 वेतन योग्यतानुसार अतिशीघ्र मेस सुविधा ,आवास भोजन फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019, 7746000019 (891)

RAIPUR GREEN ENERGY PVT. LTD. (TATA MOTORS) RE-WI-RE
WE ARE HIRING!
FIELD PURCHASE EXECUTIVES (SCRAP VEHICLES)
KEY RESPONSIBILITIES
▪ Field visit to find scrap, accidental & old vehicles.
REQUIREMENTS
▪ Graduate ▪ Experience in Secondhand Sales of Automobiles or related field preferred.
EARN MORE WITH PERFORMANCE
Send your Resume on WhatsApp
CALL: 9109952355 OR 9399230747

बेचना

बेचना है- बिलासपुर-सकरी रोड, रामालाईफ सिटी में 30x60 (1745 वर्गफीट) व्यापार विहार में 54x81 (4374 वर्गफीट) का प्लाट बेचना है शीघ्र संपर्क करें 8770994394, 8839711665 (41447)

बेचना है-भारत माला प्रोजेक्ट के पास नेशनल हाईवे 130A रोड से लगा 150 का फ्रंट, बाऊंड्री वाल से घिरा लिमतरा, खैरा रोड पर स्थित (एक एकड़ जमीन) शीघ्र बेचना सम्पर्क 8349054531 (41420)

बेचना है-रतनपुर रोड में सेन्दरी के पास वृन्दावन ग्रीन सिटी में T&C प्लॉट 30×40 तत्काल बेचना है सम्पर्क करें- 9420591204 (41433)

बेचना है- 10×10= 100 फुट दुकान छत नहीं मेन रोड बाजार के पास सिन्धी कालोनी में प्राइम लोकेशन में मेंस वेयर के लिये उपयुक्त दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 9131242092, 9827938236 (41445)

बेचना है-कन्ट्री क्लब, अटल यूनिवर्सिटी के पास कोनी बिलासपुर में 40×100 87×195,100×130 80×100, 132×184 एवं 21364 वर्गफिट शानदार प्लाट हॉस्टल, कोचिंग, मकान, इन्वेस्टमेंट हेतु उपयुक्त बेचना है। सम्पर्क- 9300878897, 9575788444 (41438)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.Ed, B.A, B.Com B.Sc,Bca,Mca Bba, Llb, M.A, M.Com M.Sc, Mba, Msw, B.Lib, M.Lib, Dca, Pgdca, Polytechnic, B.tech M.tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें-Bharti Education Academy Sec.-6, Bhilai 9826196515, 9826896515 (4157)

किराया

किराया-बिलासपुर इमली पारा में दो बेडरूम, एक हॉल, किचन, लेट बाथ सर्वसुविधा युक्त मकान किराए से देना है, शासकीय/ अर्धशासकीय को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9907128298 (41431)

फायनेंस

फायनेंस- विनायिका फाइनेन्स कम्पनी समस्त प्रकार के लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन, पर्सनल, लेबर कार्ड, डेयरी फार्म, होम लोन, आधार कार्ड पर 40000 से 50लाख तक 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क करें- 7489545029 (4401)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6'' मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

दोपहर 3.30 बजे से आमने-सामने होगी गिल और ब्रूक की टीमें

लॉर्ड्स में महामुकाबला आज, रोहित की लय और गिल की साख दांव पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए जब रविवार को लॉर्ड्स पर उतरेगी तो समूचे क्रिकेट जगत की नजरें 'हिटमैन' रोहित शर्मा पर लगी होंगी।

तमाम अटकलों के बीच बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि यह रोहित के कैरियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होगा लेकिन पहले दो मैचों में नाकाम रहे भारत के पूर्व कप्तान खुद को साबित जरूर करना चाहेंगे। फ्रंटफुट पर बेहतरीन पूल शॉट खेलने और स्पिनरों को मैदान के चारों ओर खेलने वाले रोहित इस श्रृंखला में उस लय में नहीं दिखे, जिससे इन अटकलों को बल मिला कि 39 वर्ष का यह दिग्गज अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाला वनडे विश्व कप नहीं खेल सकेगा।

आर्चर और रोहित होंगे आमने-सामने

'क्रिकेट का घर' कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शायद उन्हें लय हासिल करने में मदद मिले। बतौर कप्तान रोहित ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए हमेशा पावरप्ले में जोखिमभरे शॉट्स खेले हैं। उनके प्रशंसक रविवार को उसी रोहित को देखना चाहते हैं। पहले दस ओवर में उन्हें जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंदों का सामना करना होगा। कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे, जो सोफिया गार्डंस पर आसानी से आउट हो गए थे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार

दूसरी ओर विराट कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार है । वह बृहस्पतिवार को दूसरे शतक की ओर बढ रहे थे लेकिन आर्चर की गेंद पर आउट हो गए, जिसके बाद भारत का मध्यक्रम ढह गया और टीम को पराजय का सामना करना पड़ा । अब भारतीय टीम उससे सबक लेकर उतरेगी। केएल राहुल की जगह उतरे ईशान किशन शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उछलती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जाहिर हो गई। श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में अच्छा खेला और आदिल रशीद के साथ स्पिनरों का बखूबी सामना किया।

कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका

गेंदबाजी में कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर चोटिल हैं। रविंद्र जडेजा की गैर मौजूदगी में अक्षर पटेल ने स्पिन हरफनमौला का काम अच्छे से किया है। भारतीय गेंदबाजों को रूट के बल्ले पर अंकुश लगाना होगा, जो कोहली की तरह रन बनाए जा रहे हैं। रूट के अलावा इंग्लैंड के बाकी बल्लेबाजों ने कुछ खास नहीं किया है।

खिताबी महासंग्राम आज

अर्जेंटीना के सामने स्पेन का स्टील डिफेंस

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

एक ओर लियोनेल मेस्सी का करिश्मा है तो दूसरी तरफ टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन का अभेद डिफेंस। विश्व फुटबॉल की बादशाहत के लिए मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना रविवार को स्पेन से होगा तो 'आक्रमण और बचाव' की रोचक जंग देखने को मिलेगी। 2010 की चैंपियन स्पेन ने टूर्नामेंट में फाइनल तक के सफर में सिर्फ एक गोल क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ गंवाया है जबकि अर्जेंटीना ने अब तक इस टूर्नामेंट में सात मैचों में सबसे ज्यादा 19 गोल दागे हैं। यह मुकाबला केवल दो टीमों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग फुटबॉल शैलियों का भी है।

मेस्सी-यमाल में होगी भिड़ंत

खिताबी मुकाबले को बार्सीलोना के पूर्व नंबर 10 मेस्सी और वर्तमान में 10 नंबर जर्सी पहनने वाले स्पेन के लामिन यमाल के बीच मुकाबले के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइनल से पहले मेस्सी और यमाल की वायरल हुई दो दशक पुरानी तस्वीर ने इसे और रोचक मोड़ दे दिया है, जिसमें मेस्सी बाथटब में 'बेबी यमाल' को नहलाते दिख रहे हैं। अब देखना यह है कि अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने वाली टीम बनती है या स्पेन एक बार फिर 'जाइंटकिलर' साबित होता है।

यूरोप और दक्षिण अमेरिका में जंग

कागजों पर बराबरी के दिख रहे इस मुकाबले में यदि अर्जेंटीना का अनुभव और मेस्सी का जादू चलता है तो ट्रॉफी दक्षिण अमेरिका जा सकती है, लेकिन यदि स्पेन ने अपनी लय और अनुशासित खेल बरकरार रखा तो यूरोप की नई बादशाहत स्थापित हो सकती है। यही अनिश्चितता इस फाइनल को यादगार बनाने के लिए काफी है।

अर्जेंटीना को झेलनी पड़ी पक्षपात की तोहमतें

छह बार की चैंपियन अर्जेंटीना और मेस्सी को इस सफर में पक्षपात की भी तोहमतें झेलनी पड़ी लेकिन मेस्सी ने अब तक 8 और विश्व कप कैरियर में 21 गोल दागकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। इस टूर्नामेंट में उनके और एमबाप्पे के आठ गोल हैं लेकिन चार में सहायता करके मेस्सी 'गोल्डन बूट' की दौड़ में फिलहाल आगे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दूसरे गोल में जिस तरह से उन्होंने सूत्रधार की भूमिका निभाई, उससे विरोधी भी दंग रह गए।

खबर संक्षेप

प.बंगाल में विश्व कप की लाइव स्क्रीनिंग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार फीफा विश्व कप फाइनल की लाइव स्क्रीनिंग यहां नंदन पर विशाल स्क्रीन पर करेगी, जिससे फुटबॉलप्रेमियों को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच यह मुकाबला देखने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि अन्य जिलों में भी इस तरह विशाल स्क्रीन पर लाइव स्क्रीनिंग के इंतजाम किए जा रहे हैं। युवा सेवा और खेल विभाग दूसरे विभागों से बातचीत करके यह इंतजाम कर रहा है। इसके लिए हर जिला प्रशासन को एक लाख रुपए दिए गए हैं। मुख्य स्थल कोलकाता में नंदन, रबींद्र सदन और अकादमी परिसर होंगे, जहां दर्शकों के लिए स्टेडियम जैसा माहौल बनाया जा रहा है। पूर्व खिलाड़ियों और जानी मानी हस्तियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

मुंबई सिटी एफसी के कोच बने मार्केज

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने मनोलो मार्केज को 2026-27 सत्र के लिए एक वर्ष के अनुबंध पर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। मनोलो इससे पहले भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने हैदराबाद एफसी के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया और क्लब को 2021-22 सत्र में पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप का खिताब दिलाया। मुंबई सिटी एफसी ने कहा, 'मुंबई सिटी क्लब अपने नए मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्केज का स्वागत करता है। स्पेन के इस कोच ने एक वर्ष के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और वह आगामी 2026-27 सत्र में मुंबई सिटी की टीम की कमान संभालेंगे।

भारतीय ध्वजवाहक होंगी मीराबाई और लवलीना

ग्लासगो में 23 जुलाई को राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु-खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना 'ओवीओ हाइड्रो' में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं।' उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं।'

चानू एक दशक से प्रमुख भारोत्तोलक

बत्तीस साल की होने जा रहीं मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक रही हैं। उन्होंने 2021 तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारी में शामिल हैं।

प्रमुख पदक दावेदार लवलीना

मुक्केबाज लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में हांगझोउ में रजत पदक भी जीता था। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में लवलीना को भी भारत की प्रमुख पदक दावेदार खिलाड़ियों में माना जा रहा है।

बांग्लादेश की शानदार वापसी, जिम्बाब्वे को हराया

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

बांग्लादेश की टीम इन दिनों जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां पर आठ बैटर्स वाले प्लान से जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में आसानी से हराया। लेकिन दूसरे मैच में वह बांग्लादेश के लेग ब्रेक स्पिन गेंदबाज रिशाद हुसैन की फिरकी को नहीं झेल सके। बांग्लादेश की टीम ने पहले खेलते हुए 186 रन का टोटल बनाया।

इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 152 रन पर ही ढेर हो गई, तो उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई और सीरीज का आखिरी मैच 19 जुलाई, रविवार को खेला जाएगा।

बांग्लादेश ने बनाए 186 रन

बांग्लादेश की टीम बुलावायो के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी तो उसके दोनों ओपनर्स ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को धो डाला। सैफ हसन और तंजिद हसन ने मिलकर टीम को 14.4 ओवर में 120 रन की शुरुआत दिलाई। तभी सैफ 45 गेंद में आठ चौके और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाकर चलते बने। जबकि तंजिद हसन ने भी 44 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 58 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा अंत में सैफुद्दीन ने 10 गेंद में चार छक्के लगाकर 31 रन की नाबाद और तूफानी पारी खेली, तो टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन का टोटल बनाया।

हुसैन और मेहदी ने मिलकर दिलाई जीत : 187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के बल्लेबाज अपने ही घरेलू मैदान पर टिक नहीं सके। उनके लिए सबसे अधिक 29 रन सिर्फ रयान बर्ल ही बना सके।

भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने के विरोध प्रदर्शन पर चिंता जताई

हर बच्चे को निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार : मनु

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने का विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार है।

इस स्टार निशानेबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह मुद्दा राजनीति से कहीं बड़ा है और छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए अधिक जवाबदेही की आवश्यकता है। मनु ने

लिखा, 'इस समय बात हमारे देश के भविष्य से जुड़ी ज़िंदगियों की है। बात हम सबकी है।' मनु ने कहा, 'मैं एक छात्रा हूं और एक समय हम सभी छात्र रहे हैं। हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलना चाहिए। ये कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि उनके मौलिक अधिकार हैं। ' जिन छात्रों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई है, उनकी बात करते हुए उन्होंने कहा, 'वे हमारे देश का भविष्य बनने वाले थे। उनके सपनों, उनकी काबिलियत और उनके भविष्य की रक्षा की जानी चाहिए थी। '

जापान ओपनः फाइनल में आज सामना जापान की यामागुची से

सिंधु खिताब के करीब, युफेई ने बीच में छोड़ा

एजेंसी ▶▶| टोकियो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दो साल से अधिक समय में पहली बार फाइनल में पहुंच गई जब जापान की चेन युफेइ ने जापान ओपन महिला एकल सेमीफाइनल में शनिवार को बीच में ही कोर्ट छोड़ दिया। सिंधू उस समय 21-19, 15-10 से आगे थी जब चेन को मांसपेशी की चोट के कारण पीछे हटना पड़ा। यह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद सिंधू का पहला फाइनल होगा। वह 2024 मलेशिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भी उपविजेता रही थी। आखिरी बार उन्होंने 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 खिताब जीता था।

यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का

फाइनल में रविवार को सिंधू का सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वरदानी को दूसरे सेमीफाइनल में हराया। यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का है, जिनमें पिछले छह में से पांच मैच उन्होंने जीते हैं।

मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह : सिंधू

मैच के बाद सिंधू ने कहा,'मुझे खुशी है कि फाइनल में पहुंच सकी।' उन्होंने कहा,' मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह है , खासकर आज का मैच। शुरू से ही फोकस बनाए रखना जरूरी था क्योंकि शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ हर अंक मायने रखता है।' सिंधू ने कहा,' मैंने अपना फोकस बनाए रखा था और मेरे कोच भी बार बार यही कह रहे थे। पहले गेम में मैने बढत बना ली थी लेकिन वह काफी करीब आ गई, जिसके बाद फोकस बनाए रखना जरूरी था। कई बार आगे चलने के बाद अंक गंवाने से निराशा आ जाती है। दिमाग में काफी कुछ चल रहा होता है।'

गुमशुदा

नाम –प्रदीप महोबिया

उम्र-32वर्ष, पता-शांति नगर, तिफरा, थाना सिरगिट्टी, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) दिनांक 5 जून 2026 को शाम 6 बजे घर से कहीं निकल गया है और अभी तक वापस नहीं लौटा है। जिसका रिपोर्ट सिरगिट्टी थाना में दर्ज है। अतः जिस किसी सज्जन को इसके बारे में जानकारी मिले या कहीं दिखाई दे तो इस नंबर पर सूचना देने की कृपा करें-

चंद्र कुमार महोबिया

मो.-9685908140, 9993606090

FORM NO.
[See Regulation 33(2)]

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR

2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur -482001, MP.

NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION UNDER RULE 53 OF THE SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993.

RC/130/2025 **22.06.2026**

STATE BANK OF INDIA
Versus
ANJULATA Sao

To,
(CD1) Anjulata Sao
Village and Post-Ankira, Mohalla-Savpara, Ward No.13, Police Station-Tumla, Tehsil-Pharsabahar. District-Jashpur (C.G.) PIN-496224
(CD2) SMT. KAMLA SAO
Village and Post-Ankira, Mohalla-Savpara, Ward No.13, Police Station-Tumla, Tehsil-Pharsabahar. District-Jashpur (C.G.) PIN-496224
(CD3) SHRI YOGESH KUMAR SAO
Village and Post-Ankira, Mohalla-Savpara, Ward No.13, Police Station-Tumla, Tehsil-Pharsabahar. District-Jashpur (C.G.) PIN-496224
(CD4) SHRI JAIPRAKASH SAO
Village and Post-Ankira, Mohalla-Savpara, Ward No.13, Police Station-Tumla, Tehsil-Pharsabahar. District-Jashpur (C.G.) PIN-496224
(CD5) MISS USHA KIRAN SAO
Village and Post-Ankira, Mohalla-Savpara, Ward No.13, Police Station-Tumla, Tehsil-Pharsabahar. District-Jashpur (C.G.) PIN-496224

Whereas you the was ordered by the Presiding Officer of DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR who had issued the Recovery Certificate dated **04/08/2025** in **OA/837/2023** to pay to the Applicant Bank(s)/Financial Institution(s) Name of applicant, the sum of **Rs. 3609205.00 (Rupees Thirty Six Lakhs Nine Thousand Two Hundred Five Only)** along with pendentellite and future interest @ 12% w.e.f. **07/07/2023** till realization and costs of **Rs 39000 (Rupees Thirty Nine Thousands Only)**, and whereas the said has not been paid, the undersigned has ordered the sale of undermentioned immovable/ Immoveable property.

2. You are hereby informed that the **16/09/2026** at **10.30 A.M.** has been fixed for drawing up the proclamation of sale and settling the terms thereof. You are requested to bring to the notice of the undersigned any encumbrances, charges, claims or liabilities attached to the said properties or any portion thereof.

Specification of property

All part and parcel of diverted land and building situated at of loan documents has also created equitable mortgage over the immovable Village-Ankira, P.C. No.-14. Khasra No.-96/4, Tehsil-Pharasbahar, District- Jashpur (C.G.), area 0.202 hectare.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **22/06/2026.**

SEAL

Sd/-
Recovery Officer
Debts Recovery Tribunal, Jabalpur

MATS UNIVERSITY
UGC GRADED AUTONOMY

UGC Entitled | NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

CHHATTISGARH'S FIRST AND ONLY STATE PRIVATE UNIVERSITY ACCREDITED WITH A+ GRADE BY NAAC

MATS CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION (MCDOE)

UGC-DEB entitled as per (ODL/Online Programmes) Regulations, 2020

ADMISSION OPEN

OPEN & DISTANCE LEARNING + ONLINE PROGRAMMES

Flexible | Affordable | Recognized

UGC-DEB Approved | NAAC A+ Accredited | Learn Anytime, Anywhere | No Need to Quit Your Job

AUTHENTICITY OF UGC ENTITLED DEGREE PROGRAMMES

- UGC Entitled ODL and Online Programmes as per UGC Regulations, 2020.
- Degree awarded by MATS University through recognized and entitled mode.
- Valid for higher education and employment opportunities as per applicable norms.
- Learn through flexible mode without compromising the authenticity of the degree.
- Offered by a NAAC A+ Accredited University.

UGC-DEB APPROVED PROGRAMMES

OPEN & DISTANCE LEARNING PROGRAMMES

B.A.	B.Sc. CBZ	M.B.A.	M.Sc. Botany	M.A. Hindi
B.Com.	B.Sc. PCM	M.Com.	M.Sc. Zoology	M.A. English
B.B.A.	B.C.A.	M.S.W.	M.Sc. Chemistry	M.A. Education
B.Lib.I.Sc.	M.C.A.	M.Sc. Maths	M.Sc. Computer Science	M.A. Political Science
M.Lib.I.Sc.	D.C.A.	P.G.D.C.A.		

www.matsodl.com Call Toll Free: 8152079999 Mob: 9109850103, 8827640300, 88278 91700

ONLINE PROGRAMMES

M.B.A.	M.C.A.	B.Com.	D.C.A.
B.B.A.	B.C.A.		P.G.D.C.A.

www.matsuniversityonline.com Call Toll Free : 8152029999 Mob: 9109850103, 7880001772

DIPLOMA PROGRAMMES

- Diploma in Digital Media
- Diploma in Cyber Security
- Diploma in Human Resources Management
- Certificate in Office Management
- Certificate in Data Entry Operator

BENEFITS FOR DIFFERENT STAKEHOLDERS

Homemakers/ Housewives
- Study from home without disturbing family.
- Flexible learning for personal growth.
- Build skills for career and life.

Working Professionals
- Upgrade qualifications without leaving job.
- Learn after office hours.
- Useful for promotion & career growth.

Students & Freshers
- Affordable UG, PG & Diploma programmes.
- Prepare for exams or part-time work.
- Enhance employability & career pospects.

Government, Corporate & Others
- Benefits for govt. officials & corporate tie-up candidates.
- Support for BPL, SC/ST, Senior citizens, ex-servicemen & sports persons.
- Ideal for entrepreneurs, alumni & career restarters.

SCHOLARSHIPS FOR ELIGIBLE CANDIDATES

- 30% Scholarship – BPL Card Holders
- 20% Scholarship – All Female Candidates
- 20% Scholarship – Senior Citizens
- 20% Scholarship – Government Officials
- 20% Scholarship – Corporate Tie-up Candidates
- 25% Scholarship – SC/ST Candidates
- 20% Scholarship – Ex-Servicemen (Defence/ Police)
- 20% Scholarship – Sports Persons (State/National)
- 20% Scholarship – Jain Minority Candidates
- 20% Scholarship – MATS University Students & Alumni

*(Scholarship is applicable for in campus candidates only)

FOR DETAILS CALL
1800 123 819999

UNIVERSITY CAMPUS :
ARANG KHARORA HIGHWAY,
ARANG, RAIPUR (C.G.) -493 441

ADMISSION OFFICE :
MATS TOWER, PANDRI,
RAIPUR (C.G.) -492 004

Tel : 0771 4078995, 96, 98
Mob: 9755199381, 9109994500
Web: www.matsuniversity.ac.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com